देहरादून,पौड़ी–गढ़वाल व अल्मोड़ा से प्रकाशित
www.page3news.in
नगर संस्करण वर्ष 18 अंकः 208 पृष्ठ : 8 मूल्यः एक रूपए

विचार–प्रवाह...
बयान से हुआ नुकसान

# पेज श्री

देहरादून, शनिवार, 25 नवंबर 2023

PAGE 3 PUBLICATION


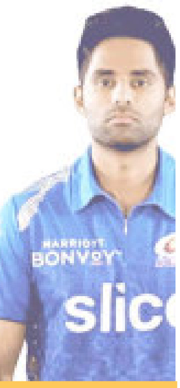

मौसम अधिकतम 24.0° न्यूनतम 15.0°

65970.04

2 चीन ने दिया डब्ल्यूएचओ को जवाब

7 एक ही मैच में बन गए कप्तानों के कप्तान

# भारत सरकार ने किया आश्वस्त 'हैं तैयार हम'

## चीन में तेजी से फैल रही रहस्यमयी बीमारी को लेकर देश में अलर्ट

**एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)**

नई दिल्ली। कोविड–19 शुरू में असामान्य प्रकार के निमोनिया के रूप में ही सामने आया था। अब एक नई बीमारी ने टेंशन बढ़ा दी है। जी हां, उत्तरी चीन में बच्चों में अज्ञात निमोनिया के मामले बढ़े हैं। भारत समेत पूरी दुनिया में टेंशन बढ़ने लगी है। वैज्ञानिकों का कहना है कि इस स्थिति पर कड़ी निगरानी की जरूरत है। वैसे, अभी यह स्पष्ट रूप से नहीं कहा जा सकता कि चीन में श्वसन संबंधी बीमारियों में हाल में हुई वृद्धि किसी नए वैश्विक संक्रमण की शुरुआत का संकेत है या नहीं। ऐसे में, केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने आज कहा कि वह चीन में बच्चों में श्वसन रोग का कारण बने एच9एन2 वायरस के प्रसार पर करीबी नजर रखे हुए है। सरकार ने आश्वस्त किया है कि भारत चीन में मौजूदा इन्फ्लूएंजा की स्थिति से उत्पन्न होने वाली किसी भी प्रकार की आपात स्थिति के लिए तैयार है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने यह भी कहा है कि चीन में पता चले एवियन इन्फ्लूएंजा और श्वसन संबंधी बीमारियों से भारत को कम खतरा है।

भारतीय स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से बताया गया है कि बच्चों में श्वसन संबंधी बीमारी के सामान्य कारण ही बताए जा रहे हैं और किसी असामान्य रोगजनक या अप्रत्याशित मामलों की पहचान नहीं हुई है। चीन में अक्टूबर 2023 में एच9एन2 के फैलने को लेकर देश में एवियन इन्फ्लूएंजा के खिलाफ तैयारियों के उपायों पर चर्चा करने के लिए डीजीएचएस की अध्यक्षता में हाल में एक बैठक हुई है। डब्ल्यूएचओ ने जो समग्र जोखिम मूल्यांकन किया है उसमें एच9एन2 के इंसान से इंसान में फैलने की कम संभावना और कम मृत्यु दर का पता चलता है। मानव, पशुओं और वन्यजीव के बीच ज्यादा निगरानी की जरूरत है।

स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा है कि भारत किसी भी प्रकार की पब्लिक हेल्थ इमर्जेंसी के लिए तैयार है। कोविड महामारी के बाद से स्वास्थ्य बुनियादी ढांचे को काफी मजबूत किया गया है। पीएम–आयुष्मान भारत योजना वर्तमान और भविष्य की महामारियों से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए स्वास्थ्य प्रणालियों को तैयार करने के लिए प्राथमिक, माध्यमिक और तृतीयक सभी स्तरों पर देखभाल की स्वास्थ्य प्रणालियों और संस्थानों की क्षमताओं को मजबूत कर रहा है।

### आपात स्थिति के लिए भारत तैयार

स्वास्थ्य मंत्रालय चीन में बच्चों में फैल रहे एच9एन2 के प्रकोप और श्वसन संबंधी बीमारियों के समूहों पर अपनी करीबी नजर बनाए हुआ है। बकौल स्वास्थ्य मंत्रालय, चीन में रिपोर्ट किए गए एवियन इन्फ्लूएंजा मामले के साथ–साथ श्वसन संबंधी बीमारी के समूहों से भारत को जोखिम कम है। बता दें कि भारत चीन में इन्फ्लूएंजा की मौजूदा स्थिति से उत्पन्न होने वाली किसी भी प्रकार की आपात स्थिति के लिए तैयार है। स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से जारी किए गए बयान में कहा गया कि कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में उत्तरी चीन में बच्चों में सांस की बीमारी के मामले बढ़ने का संकेत दिया गया है, जिसको लेकर विश्व स्वास्थ्य संगठन ने भी बयान जारी किया है।

### चीन ने बताई कूल वजह

कुछ मीडिया रिपोर्टों में उत्तरी चीन में बच्चों में श्वसन बीमारी के मामले तेजी से बढ़ने की जानकारी दी गई है। चीन ने कुछ दिन पहले WHO को बताया था श्वसन संबंधी बीमारियों के मामले बढ़ रहे हैं क्योंकि कोविड–19 लॉकडाउन से संबंधित पाबंदियां हटाई गई हैं। अब एक हफ्ते बाद मीडिया की खबरों में उत्तरी चीन में बच्चों में अज्ञात निमोनिया के मामलों की सूचना दी गई है। डब्ल्यूएचओ का कहना है कि यह स्पष्ट नहीं है कि क्या ये चीनी अधिकारियों द्वारा पहले बताए गए श्वसन संक्रमण के मामलों में वृद्धि है या अलग–अलग मामलों से जुड़े हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने चीन से ज्यादा जानकारी मांगी है।

## संक्षिप्त समाचार

### मुख्य सचिव के लिए केंद्र दे नामों का सुझाव

**एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)** नई दिल्ली। दिल्ली के नए मुख्य सचिव की नियुक्ति के मुद्दे पर शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट में आप सरकार और केंद्र के बीच ठन गई। इस पर शीर्ष अदालत ने सुझाव दिया कि उपराज्यपाल और केंद्र नामों का एक पैनल प्रस्तावित करें और दिल्ली सरकार उनमें से किसी एक को पद के लिए चयनित कर सकती है। सुप्रीम कोर्ट ने सवाल किया कि एलजी और मुख्यमंत्री क्यों नहीं मिलकर इस पद के लिए नामों पर सौहार्द्रपूर्ण ढंग से चर्चा करते।

### कतर में मौत की सजा के खिलाफ पूर्व भारतीय नेवी के अफसरों को राहत

**एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)**
नई दिल्ली। कतर की एक अदालत ने आठ पूर्व भारतीय नौसैनिकों को मौत की सजा के खिलाफ अपील स्वीकार कर ली है। पूर्व नेवी अफसरों को मौत की सजा को लेकर भारत की ओर से अपील दायर की गई थी। मामले में अपील दायर की गई है।

# राजोरी–पुंछ में 20 से 25 आतंकी सक्रिय

## उत्तरी कमान प्रमुख बोले दहशतगर्दों में रिटायर्ड पाक सैनिक भी

**एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)**

जम्मू। उत्तरी कमान प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल उपेन्द्र द्विवेदी ने शुक्रवार को कहा कि सीमा पार से भारत में आए कुछ आतंकवादी सेवानिवृत्त पाकिस्तानी सैनिक भी हैं। उनके अनुमान के मुताबिक, राजोरी और पुंछ के साथ लगते इलाकों में अभी भी 20 से 25 आतंकवादी सक्रिय हो सकते हैं। लेफ्टिनेंट जनरल द्विवेदी जम्मू में राजोरी मुठभेड़ के बलिदानियों को पुष्पांजलि अर्पित करने पहुंचे थे। इस दौरान मीडिया से रूबरू होते हुए उन्होंने ये बातें कहीं।

लेफ्टिनेंट जनरल द्विवेदी ने कहा, हमने मुठभेड़ में अपने पांच बहादुर सैनिकों को खो दिया, लेकिन दो खूंखार आतंकवादियों को भी मार गिराया है। हमारे जवानों ने अपनी व्यक्तिगत सुरक्षा की परवाह किए बिना देश की रक्षा के लिए सर्वोच्च बलिदान दिया। दो खूंखार आतंकवादियों के मारे जाने से आतंकी पारिस्थितिकी तंत्र और पाकिस्तान को एक बड़ा झटका लगा है। दोनों आतंकवादी ढांगरी, कंडी और राजोरी में निर्दोष नागरिकों की हत्या में शामिल थे। उनका खात्मा ऑपरेशन में शामिल संयुक्त बल टीम के लिए प्राथमिकता थी।

उत्तरी कमान प्रमुख ने कहा कि पिछले साल इन क्षेत्रों में आतंकवादी घटनाओं में 10 नागरिकों की जान चली गई। हमें स्थानीय स्रोतों से कुछ आतंकवादी ठिकानों के बारे में जानकारी मिली। वे ढांगरी हमले में भी शामिल थे। साथ ही एलओसी पार करके देश में दाखिल हुए कुछ आतंकवादियों की पहचान सेवानिवृत्त पाकिस्तानी सैनिकों के रूप में हुई है।

### बखूबी प्रशिक्षित थे दोनों आतंकी

उत्तरी कमान प्रमुख ने कहा कि आतंकियों ने पाकिस्तान और अफगानिस्तान सहित कई देशों में प्रशिक्षण प्राप्त किया होगा। वे बहुत अच्छी तरह से प्रशिक्षित थे। यही कारण है कि हमें उन्हें खत्म करने में कुछ समय लगा। हमारे जवान साहस के साथ लड़े। उनकी ये बातें हमारे सैनिकों को सभी बाधाओं के बावजूद अपने मुख्य कर्तव्यों का पालन करने के लिए प्रेरित करती रहेगी।

# हिंडनबर्ग रिपोर्ट को सही मानना ठीक नहीं

**एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)**

नई दिल्ली। शेयर बाजार को रेग्युलेट करने वाली संस्था सेबी अडानी मामले की जांच में अब सुप्रीम कोर्ट से समय बढ़ाने की मांग करने के मूड में नहीं है। सेबी ने खुद सुप्रीम कोर्ट को इसकी जानकारी दी है। इसके बाद यह माना जा रहा है कि सेबी की जांच अब फाइनल स्टेज में है। शुक्रवार को इस मामले की सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। इस सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने सेबी के अलावा याचिकाकर्ता से भी कई तीखे सवाल पूछे। इसके बाद बाद कोर्ट ने अपना फैसला सुरक्षित रख लिया। ऐसे संकेत मिल रहे हैं कि कोर्ट अपने फैसले में सेबी के लिए कुछ अतिरिक्त निर्देश पारित कर सकता है।

सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि हिंडनबर्ग रिपोर्ट को सही नहीं माना जाना चाहिए। शीर्ष अदालत ने आगे कहा कि हिंडनबर्ग रिपोर्ट की सत्यता के परीक्षण का कोई साधन नहीं है, इसीलिए हमने सेबी से मामले की जांच करने को कहा था। मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ की पीठ ने कहा, हमें हिंडनबर्ग रिपोर्ट को तथ्यात्मक रूप से सही मानने की जरूरत नहीं है।

### सवाल

■सुप्रीम कोर्ट ने पूछे कई तीखे सवाल

### सेबी से भी पूछे सवाल

मुख्य न्यायाधीश ने सेबी से पूछा कि निवेशकों के नजरिए से क्या कदम उठाए गए हैं। क्या निवेशकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए कोई कदम उठाए गए हैं। इस पर सेबी का प्रतिनिधित्व कर रहे सॉलिस्टर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि ऐसे मामले पाए जाने पर शॉर्ट–सेलर्स के खिलाफ कार्रवाई की गई है। मेहता ने कहा– नियामक तंत्र को मजबूत करने के लिए पैनल की सिफारिशों पर कोई आपत्ति नहीं है। ये सिफारिशें विचाराधीन हैं और सैद्धांतिक रूप से हमने स्वीकार कर ली है।


Are you Planning to make a Website or already have ?
If yes, then we are here to serve you
What we do
Website Development
All type of Websites E-Commerce, Hotel Booking, Travel, Bus Ticket Booking, News Portal, Blogs, or as per client requirement.
Promotion & Branding
1. Website Promotion & Branding in any country (200+ Countries)
2. Social Media
3. Bulk SMS
Search Engine Optimisation
A-2-Z Work to make a Website Search Engine Friendly.
You tell us, we do it.
Contact:
Gadoli Media Ventures
Shivam Market, 2nd Floor, Darshan Lal Chowk, Dehra Dun. I Mob: 9319700701, 7579011930
E-Mail: contact@gadoli.in


# हिंदुस्तान को ऐसी चोट दो, जहां ज्यादा पीड़ा हो

**एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)**

श्रीनगर। पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई द्वारा पोषित आतंकी संगठन कश्मीर फाइट जम्मू कश्मीर में हमास जैसा हमला करने का षडयंत्र रच रहे हैं। आतंकियों का ऑनलाइन मुखपत्र कहे जाने वाली वेबसाइट कश्मीर फाइट ने कश्मीर में सक्रिय जिहादी तत्वों को अपनी रणनीति बदलने का निर्देश देते हुए कहा है कि प्रधानमंत्री और गृहमंत्री को भी निशाना बनाने के लिए तैयार रहो। जम्मू कश्मीर से बाहर देश के अन्य भागों में भी हमले करो। इसमें सुरक्षाबलों, कश्मीर में आने वाले पर्यटकों और श्रमिकों की टारगेट किलिंग की धमकी भी दी गई है।

### कश्मीर फाइट ने दी हमास जैसे हमलों की धमकी

कश्मीर फाइट पहले सिर्फ एक ब्लॉग था,जिसे कुछ माह पहले एक वेबसाइट में बदला गया है। इसमें कश्मीर में जारी आतंकी हिंसा को सही ठहराने, कश्मीर में भारत के खिलाफ लोगों को भड़काने वाली आपत्तिजनक सामग्री होती है। इसे कश्मीर में सक्रिय आतंकियों का मुखपत्र भी कहा जाता है और इस साइट पर अक्सर कश्मीर में सक्रिय आतंकियों के लिए दिशा निर्देश होते हैं।

## न्यूज डायरी

### रहस्यमयी निमोनिया पर चीन ने दिया डब्ल्यूएचओ को जवाब

**एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)** जिनेवा। चीन में बीते कुछ दिनों में तेजी से फैली निमोनिया जैसी रहस्यमय बीमारी ने दुनियाभर की चिंता में इजाफा कर दिया है। इस बीमारी के तेजी से फैलने का अंदेशा जताया जा रहा है, जिससे उत्तरी चीन में बड़े पैमाने पर बच्चे प्रभावित हो रहे हैं। चीन के अस्पतालों में तेजी बढ़ती बच्चों की भीड़ को देखते हुए विश्व स्वास्थ्य संगठन ने चीन से इस पर जवाब मांगा था। जिसका जवाब चीन की ओर से दिया गया है। चीनी अधिकारियों ने विश्व स्वास्थ्य संगठन से कहा है कि किसी नई बीमारी के संकेत उनके देश में नहीं मिले हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) की ओर से चीन से निमोनिया के मामलों में चिंताजनक वृद्धि के बारे में जानकारी देने का आधिकारिक अनुरोध किया गया था। इस पर चीनी अधिकारियों ने कहा है कि उनके देश में कोई असामान्य या नयी बीमारी सामने नहीं आई है। डब्ल्यूएचओ ने कहा कि चीन के राष्ट्रीय स्वास्थ्य आयोग के अधिकारियों ने 13 नवंबर को श्वसन संबंधी बीमारियों में वृद्धि की सूचना दी थी। उसके अनुसार आयोग के अधिकारियों ने कहा था कि श्वसन संबंधी बीमारियों के मामले इसलिए बढ़ रहे हैं क्योंकि कोविड–19 से निपटने के लिए लागू किए गए लॉकडाउन से संबंधित पाबंदियां हटा दी गई हैं। महामारी संबंधी प्रतिबंध हटाए जाने पर अन्य देशों में भी श्वसन संबंधी बीमारियों जैसे रेस्पिरेटरी सिंकाइटियल वायरस या आरएसवी के मामलों में वृद्धि देखी गई थी।

### भारत क्यों आ रहे मुस्लिम और अरब देशों के मंत्री

**एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)** रियाद। इजरायल और हमास के बीच गाजा में अल्पकालिक संघर्ष विराम हो गया है। इजरायल और हमास दोनों ही आज कुछ बंधकों को रिहा भी करने जा रहे हैं। हमास और इजरायल में युद्ध के बीच खाड़ी के मुस्लिम देशों के मंत्री संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के स्थायी सदस्यों के दौरे पर निकले हैं। ये मंत्री चीन का दौरा कर चुके हैं और उनका भारत भी आने का प्लान है। इस प्रतिनिधि मंडल में सऊदी अरब के विदेश मंत्री प्रिंस फैसल बिन फरहान अल सऊद, जार्डन के डेप्युटी पीएम अयमान सफादी, मिस्र के विदेश मंत्री सामेह शोउक्री और फलस्तीन के विदेश मंत्री रियाद अल मलीकी शामिल हैं। ये मंत्री इस सप्ताह के अंत में दिल्ली आ रहे हैं। बताया जा रहा है कि इस बैठक का मुख्य एजेंडा पश्चिमी एशिया में चल रहा संकट है। इन नेताओं का भारतीय विदेश मंत्री के साथ मिलने का प्लान है। इन सभी मंत्रियों का लक्ष्य है कि गाजा युद्ध में स्थायी सीजफायर कराया जाए। इसके अलावा मानवीय मदद को गाजा के लोगों तक पहुंचाया जाए। इसके अलावा संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के सभी स्थायी सदस्यों से अलग फलस्तीन देश के लिए समर्थन मांगना है।

### गाजा में युद्ध विराम से ठीक पहले इजरायल के हाथ लगी बड़ी कामयाबी

**एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)** गाजा। इजरायल डिफेंस फोर्स, आईडीएफ ने शुक्रवार से शुरू हो रहे युद्ध विराम से पहले गाजा पट्टी में अहम कामयाबी हासिल की है। आईडीएफ ने यहां हमास की ग्रैड वैली को ढूंढ़ निकाला है, जहां से लंबे समय से इजरायल पर रॉकेट दागे जा रहे थे। अपने ऑपरेशन में बच्चों के कमरों में बिस्तर के नीचे हथियारों के जखीरे और भूमिगत बुनियादी ढांचे का खुलासा इजरायली सेना ने किया है। इजरायली सेना ने कहा कि बच्चों को भी हमास ने लड़ाई में ढाल बना लिया है और उनका इस्तेमाल कर रहे हैं। आईडीएफ ने इससे पहले गाजा के सबसे बड़े अस्पताल अल शिफा के नीचे भी सुरंगों के नेटवर्क का खुलासा किया। आईडीएफ की ओर से जारी बयान में कहा है कि उनकी 401 ब्रिगेड ने जबल्या के बाहरी इलाके में ग्रैड वैली में लड़ते हुए बच्चों के बेडरूम में हथियारों का पता लगाया। इजरायली सेना ने बताया कि ग्रैड वैली वह क्षेत्र है, जहां से लड़ाई के दौरान हमास के लड़ाकों ने उनके ऊपर बड़े स्तर पर गोलाबारी थी। काफी समय से इस जगह का इस्तेमाल कर इजरायली सेना को निशाना बनाया जा रहा था। इस जगह पर काफी गहराई में चार महत्वपूर्ण सुरंग शाफ्ट हैं, जो बिजली ग्रिड से जुड़े हुए हैं। ये हमास के सीनियर कमांडरों की इमारतों से जुड़े थे।

# नेपाल में राजशाही समर्थकों की पुलिस से झड़प के बाद बढ़ाई गई सुरक्षा

**विरोध-प्रदर्शन**

## आगामी दिनों में और विरोध प्रदर्शन की योजना की घोषणा की गई

**एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)**

काठमांडू। राजशाही समर्थक प्रदर्शनकारियों की पुलिस के साथ झड़प के एक दिन बाद नेपाल ने अपनी राजधानी काठमांडू के आसपास सुरक्षा बढ़ा दी है। स्थानीय प्रशासन ने आगे बढ़ने से रोकने के लिए कई स्थानों पर प्रतिबंध लगा दिए हैं क्योंकि आगामी दिनों में और विरोध प्रदर्शन की योजना की घोषणा की गई है। विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व कर रहे विवादास्पद व्यवसायी दुर्गा प्रसाई के भक्तपुर आवास के आसपास सुरक्षा बलों को तैनात किया गया है, जबकि उनके समर्थकों को काठमांडू के विभिन्न स्थानों से गिरफ्तार किया गया है। प्रदर्शनकारी अपने निर्धारित प्रदर्शन क्षेत्र से दूर चले गए थे। काठमांडू के मुख्य जिला अधिकारी जितेंद्र बस्नेत ने कहा, कल के कार्यक्रम और प्रेस कॉन्फ्रेंस में उन्होंने संविधान द्वारा प्रदत्त अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की सीमा को पार कर दिया था। हिंसा, सार्वजनिक संपत्ति की तोड़फोड़ और आगजनी का संकेत देने वाले उत्तेजक बयान सुने गए। बयान के बाद, अधिकारी ने दावा किया कि समूह को टिंकुने क्षेत्र में एक सामूहिक बैठक आयोजित करने की अनुमति देने से तनाव और बढ़ सकता है, जिससे हवाईअड्डे को संभावित रूप से खतरा हो सकता है। बासनेत ने कहा, अंतर्राष्ट्रीय नागरिक उड्डयन संगठन (आईसीएओ) स्थिति पर करीब से नजर रख रहा है।

स्थानीय प्रशासन ने बल प्रयोग करके भीड़ को तिनकुने इलाके में पहुंचने से रोकने की रणनीति तैयार की है, जैसा कि मौखिक रूप से विरोध करने वाली पार्टी को बताया गया है। पुलिस ने त्रिभुवन अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के पास, तिनकुने क्षेत्र के आस–पास छिपे प्रदर्शनकारियों पर कार्रवाई की, जहां गुरुवार की झड़प के बाद दूसरे दिन विरोध प्रदर्शन की योजना बनाई गई थी। पुलिस ने संदिग्ध राहगीरों के सामान की भी तलाशी ली। कल के विरोध प्रदर्शन के दौरान, प्रसाई ने कथित तौर पर वर्तमान संघीय प्रणाली के खिलाफ बात की, जिसके विफल होने का उनका दावा है।

प्रसाई ने गणतांत्रिक व्यवस्था को उखाड़ फेंकने और राजशाही को बहाल करने की धमकी दी है, जिसे 2008 में समाप्त कर दिया गया था। प्रसाई राष्ट्र, राष्ट्रीयता, धर्म, संस्कृति और नागरिक बचाव अभियान शीर्षक से एक अभियान चला रहा है।

विवादास्पद व्यवसायी ने अपने राष्ट्र, राष्ट्रीयता, धर्म–संस्कृति और नागरिक बचाव अभियान के तहत नेपाल के विभिन्न जिलों से लोगों को लाया है। प्रसाई ने पूर्व प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली और मौजूदा प्रधानमंत्री पुष्प कमल दहल के साथ मिलकर काम किया है। प्रसाई और ओली के बीच रिश्ते में हाल ही में खटास आ गई है, दोनों एक–दूसरे पर आरोप लगा रहे हैं। प्रसाई वर्तमान नेपाल सरकार को गिराने और राजशाही और हिंदू साम्राज्य को बहाल करने का दावा कर रहे हैं। विरोध प्रदर्शन के दौरान उनके समर्थकों ने गणतंत्रीय प्रणाली के खिलाफ राजशाही समर्थक नारे भी लगाए, जिसे नेपाल ने लगभग एक दशक पहले अपनाया था।

## खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में सुरक्षा बलों और आतंकियों के बीच मुठभेड़

**एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)** पेशावर। पाकिस्तान के अशांत खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में एक तलाशी अभियान के दौरान पुलिस और वांछित आतंकवादियों के बीच गोलाबारी हो गई। इस दौरान दो स्कूली छात्रों की मौत हो गई। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी।

पुलिस ने बताया कि टैंक जिले के कोट आजम इलाके में खुफिया जानकारी के आधार पर तलाशी अभियान चलाया गया। इस दौरान हुई गोलीबारी में वांछित आतंकवादी मारा गया। वहीं, क्रॉस फायरिंग के दौरान फंसने से आठवीं कक्षा के दो छात्रों की भी मौत हो गई। पुलिस के मुताबिक, मारे गए आतंकवादियों के कब्जे से एक सब–मशीन गन, गोला–बारूद, दो हथगोले और एक मोटर साइकिल बरामद किया गया है।

बता दें कि पाकिस्तान में हाल के महीनों में आतंकी घटनाओं में इजाफा हुआ है। तहरीक–ए–तालिबान पाकिस्तान और अन्य आतंकवादी संगठनों ने सुरक्षा बलों के खिलाफ कार्रवाई तेज कर दी है। इसमें अलगाववादी समूह भी शामिल हैं। सुरक्षा बलों और स्थानीय पुलिस ने आतंकियों के खिलाफ अभियान को तेज कर दिया है। बलूचिस्तान प्रांत में पाकिस्तानी सुरक्षा बलों ने मुठभेड़ में चार आतंकियों को मार गिराया।

**गाजा में हजारों घर तबाह, दो लाख से अधिक लोग बेघर**

**एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)** नई दिल्ली। इजरायल–हमास युद्ध का 49वां दिन है और उम्मीद जताई जा रही है कि युद्ध विराम हो सकता है। हालांकि, इसको लेकर कुछ स्पष्ट नहीं है, क्योंकि इजरायल और हमास के बीच बीच रात भी हवाई और जमीनी हमले जारी रहे थे। दरअसल, इजरायल और हमास के बीच अगवा किए गए लोगों के बदले चार दिन के युद्ध विराम पर सहमति तो बन गई है, लेकिन इसका साफ ब्योरा आने में थोड़ा समय लग रहा है। जैसे–जैसे इजरायल ने गाजा में अपना जमीनी और हवाई अभियान जारी रखा था, वैसे–वैसे विनाश का पैमाना भी काफी बढ़ा है। दरअसल, संयुक्त राष्ट्र ने 19 नवंबर को एक रिपोर्ट पेश की थी, जिसके मुताबिक इजरायल की जवाबी हमले में अनुमानित तौर पर गाजा के 43,000 आवास पूरी तरह से नष्ट हो गई हैं और 225,000 से अधिक आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त हुई हैं।

# गाजा युद्ध कम से कम दो महीने तक रहेगा जारी

## इजराइल के रक्षा मंत्री ने दी जानकारी

**एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)**

तेल अवीव। इजरायल और आतंकवादी समूह हमास के बीच चार दिवसीय युद्धविराम शुक्रवार से शुरू हुआ लेकिन विशेषज्ञों का कहना है कि थोड़े समय के विराम के बाद कम से कम दो महीने तक तीव्रता के साथ लड़ाई फिर से शुरू होगी। लड़ाई में शांत होने से पहले, इजरायली रक्षा मंत्री योव गैलेंट ने गुरुवार को कहा कि एक बार हमास के साथ संक्षिप्त अस्थायी संघर्ष विराम समाप्त हो जाएगा, तो सैन्य अभियान कम से कम दो और महीनों के लिए तीव्रता के साथ फिर से शुरू होगा।

गैलेंट ने नौसेना की शायेट 13 एलीट कमांडो यूनिट के सैनिकों से कहा, आने वाले दिनों में आप जो देखेंगे वह सबसे पहले बंधकों की रिहाई है। यह राहत अल्पकालिक होगी। इस राहत में आपसे जो आवश्यक है वह है संगठित होना, तैयार होना, जांच करना, हथियारों की पुनः आपूर्ति करना और जारी रखने के लिए तैयार रहना है। उन्होंने आगे कहा, यह सिलसिला जारी रहेगा, क्योंकि हमें जीत पूरी करनी है और बंधकों के अगले समूहों के लिए प्रेरणा पैदा करनी है, जो केवल दबाव के परिणामस्वरूप वापस आएंगे। अमेरिका और कतर की मध्यस्थता में बंधक रिहाई समझौते के तहत 7 अक्टूबर के हमले के दौरान बंधक बनाए गए कम से कम 50 इजरायली महिलाओं और बच्चों को रिहा किया जाएगा।

बदले में, इजरायल 150 फलस्तीनी कैदियों को रिहा करेगा, जिनमें से सभी महिलाएं या नाबालिग हैं और साथ ही आवश्यक मानवीय सहायता प्रदान करने के लिए संघर्ष में चार दिन का ब्रेक भी दिया जाएगा। आईडीएफ चीफ ऑफ स्टाफ लेफ्टिनेंट जनरल हरजी हलेवी ने दिन की शुरुआत में गैलेंट की टिप्पणियों को दोहराते हुए कहा कि सेना युद्ध समाप्त नहीं कर रही है।

रिपोर्ट के अनुसार, हलेवी ने गाजा की यात्रा के दौरान कमांडरों से कहा, हम युद्ध के लक्ष्यों को जोड़ने का प्रयास कर रहे हैं।

### आधी रात रूस पर यूक्रेन ने फिर की हमले की कोशिश

**एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)** मॉस्को। रूस–यूक्रेन में युद्ध थमने का नाम नहीं ले रहा है। रूसी सेना यूक्रेन पर लगातार अटैक कर रही है। इस बीच बीती रात यूक्रेन ने रूस पर जवाबी हमला करने की कोशिश की। हालांकि, रूसी डिफेंस सिस्टम ने क्रीमिया के ऊपर 16 यूक्रेनी ड्रोन मार गिराए। यूक्रेनी बलों की रूस के साथ अभी भी जंग जारी है। यूक्रेन और रूसी गोलाबारी में खेरसॉन क्षेत्र में चार लोगों की मौत हो गई। रूसी रक्षा मंत्रालय ने कहा कि उसकी सेना ने डोनेट्स्क क्षेत्र में दक्षिण में यूक्रेनी इकाइयों पर हमला किया था। कीव पर आगे बढ़ने के अपने शुरुआती प्रयास में विफल होने के बाद से रूसी सेना ने पूर्व पर ध्यान केंद्रित किया है। उनके पास यूक्रेनी क्षेत्र का 20 फीसद से थोड़ा कम हिस्सा है। दक्षिणी खेरसॉन क्षेत्र में रूसी सेना ने बेरीस्लाव शहर पर गोलाबारी की, जिसमें साइकिल पर सवार एक व्यक्ति की मौत हो गई।

Page Three

Classified

Adds can be booked under these Categories : (all day publication)

Recruitment
Property
Business Opportunity
Vehicles
Announcements
Antiques & Collectables
Barter
Books
Computers
Domain Names
Education
Miscellaneous
Entertainment & Event
Hobbies & Interests
Services
Jewellery & Watches
Music
Obituary
Pets & Animals
Retail
Sales & Bargains
Health & Sports
Travel

Matrimonial (Sunday Only)

अब मात्र रु. 20 प्रति शब्द

# महत्वपूर्ण योजनाओं को जन–जन तक पहुंचाने को नोडल अधिकारियों को निर्देश

**शुभारंभ**

## जिला पंचायत अध्यक्ष ने किया विकसित भारत संकल्प यात्रा का शुभारंभ

**संवाददाता**

रुद्रप्रयाग। जिला पंचायत अध्यक्ष अमरदेई शाह एवं विधायक रुद्रप्रयाग भरत सिंह चौधरी द्वारा जनपद रुद्रप्रयाग बस अड्डे से विकसित भारत संकल्प यात्रा' का शुभारंभ करते हुए विकसित भारत संकल्प यात्रा रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। इस अवसर पर विधायक रुद्रप्रयाग ने कार्यक्रम में मौजूद लोगों को 'हमारा संकल्प विकसित भारत' शपथ भी दिलाई। विकसित भारत संकल्प यात्रा का शुभारंभ संपूर्ण भारत में जनजातीय बाहुल्य जनपदों से 15 नवंबर से तथा सामान्य जनपदों से 23 नवंबर 2023 से किया जा रहा है। यात्रा में विकसित भारत संकल्प रथ के माध्यम से केंद्र एवं राज्य सरकार की महत्वपूर्ण योजनाओं की जानकारी और योजनाओं का लाभ लेने को आम जनता को जागरुक भी किया जाएगा।

जिला पंचायत अध्यक्ष अमरदेई शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में पूरा देश विकास की राह पर बढ़ रहा है। इसी बात की साक्षी अब यह विकास यात्रा भी बनने जा रही है। इस अवसर पर उन्होंने नोडल अधिकारियों को केंद्र व राज्य सरकार की महत्वपूर्ण योजनाओं, कार्यक्रमों, निर्णयों और उपलब्धियां को जन–जन तक पहुंचाने के निर्देश भी दिए। विधायक रुद्रप्रयाग भरत सिंह चौधरी ने बताया कि विकसित भारत संकल्प यात्रा में जनपद में प्रति विकासखंड में प्रचार प्रसार रथ गांव–गांव तक भ्रमण करेगा। प्रचार रथ में एलईडी स्क्रीन तथा पोस्टर बैनर के माध्यम से लोग केंद्र व राज्य सरकारों की महत्वपूर्ण योजनाओं कार्यक्रमों निर्णय और उपलब्धियों की जानकारी तो प्राप्त करेंगे ही साथ ही जो लाभार्थी अभी तक किसी कारणवश किसी योजना से वंचित है उनको भी योजनाओं से लाभान्वित किया जाएगा। इस दौरान उन्होंने केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा जनपद में संचालित विकास योजनाओं की जानकारी भी सभा में बैठे लोगों को दी। मुख्य विकास अधिकारी नरेश कुमार ने कहा कि यात्रा के सफल संचालन के लिए जिला प्रशासन द्वारा जनपद स्तर से लेकर विकासखंड स्तर, न्याय पंचायत स्तर और ग्राम पंचायत स्तरों तक नोडल अधिकारियों की नियुक्ति की गई है, जिन पर यात्रा के सफल संचालन और क्रियान्वयन का दायित्व रहेगा। जनपद में 08 प्रचार–प्रसार रथ इस यात्रा में शामिल हैं जो जनपद में 334 ग्राम पंचायतों के 155 केंद्रों पर भ्रमण करेंगे।

इस अवसर पर जिला पंचायत सदस्य भारत भूषण भट्ट, जिला विकास अधिकारी अनीता पंवार, परियोजना अधिकारी विमल कुमार, पुलिस उपाधीक्षक प्रबोध घिल्डियाल, जिला कृषि अधिकारी लोकेन्द्र सिंह, जिला क्रीड़ा अधिकारी निर्मला पंत, अधिशासी अधिकारी सुशील कुरील, जिला युवा कल्याण अधिकारी शरत सिंह भंडारी, सहित अन्य अधिकारी कर्मचारी एवं क्षेत्रीय जनता मौजूद रही।

## न्यूज डायरी

### समाज को व्यवहारिक बोध कराती है रामायणः डॉ. तिवारी

**संवाददाता** हल्द्वानी। रामायण वर्तमान समाज को व्यवहारिक बोध कराती है। सामाजिक समरसता और सद्भावना से जुड़े महर्षि वाल्मीकि के अनमोल विचार आज भी भारतीय समाज को संचित कर रहे हैं। ये बात उत्तराखंड संस्कृत अकादमी की ओर से महर्षि वाल्मीकि जयंती मास महोत्सव के उपलक्ष्य में शुक्रवार को नैनीताल जिले में आयोजित ऑनलाइन संगोष्ठी में मुख्य वक्ता हरिद्वार संस्कृत विवि की सहायक आचार्य डॉ. कंचन तिवारी ने कही। 'वाल्मीकि रामायण में व्यवहारबोध विषय पर आधारित कार्यक्रम की शुरुआत वैदिक मंगलाचरण से हुई। अकादमी के शोध अधिकारी डॉ. हरीश गुररानी ने कार्यक्रम की प्रस्तावना प्रस्तुत करते हुए कहा कि अकादमी विभिन्न जिलों में संस्कृत के संवर्धन और उसे जन–जन तक पहुंचाने में योगदान दे रही है। इसी के तहत यह महोत्सव आयोजित किया जा रहा है।

### गुरुद्वारा श्री गुरु सिंघ सभा से निकाली प्रभातफेरी

**संवाददाता** हल्द्वानी। साहिब श्री गुरु नानक देव जी के प्रकाश पर्व के उपलक्ष्य में शुक्रवार को पांचवीं प्रभातफेरी निकाली गई। सुबह पांच बजे गुरुद्वारा श्री गुरु सिंघ सभा से शुरू हुई प्रभातफेरी गुरुद्वारा गुरु नानक पुरा में संपन्न हुई। आतिशबाजी व पुष्पवर्षा कर लोगों ने प्रभातफेरी का भव्य स्वागत किया। संगत ने कीर्तन दरबार में हाजिरी भरी और मुख्य ग्रंथी ने अरदास कर समापन किया। प्रभातफेरी में रंजीत सिंह आनंद, अमरजीत सिंह बिंद्रा, अमरजीत सिंह सेठी, नरेंद्रजीत सिंह, अमरीक सिंह आनंद, जसपाल सिंह मालदार, अमरजीत सिंह साहनी, परविंदर सिंह, मनप्रीत सिंह, परमजीत सिंह, अमनप्रीत सिंह, जगमोहन सिंह रहे।

### एचडीएफसी बैंक ने अपने दूसरे बैच का उद्घाटन किया

**संवाददाता** देहरादून। भारत के अग्रणी निजी बैंक, एचडीएफसी बैंक ने भारत के कई राज्यों में 100 प्लस बीसी केंद्रों के एक नए बैच का उद्घाटन किया है। यह कदम वित्तीय समावेशन और देश के वंचित क्षेत्रों में बैंकिंग को सुलभ बनाने के प्रति बैंक की अटूट प्रतिबद्धता के अनुरूप है। ये केंद्र एक छोटी शाखा के रूप में कार्य करेंगे, जिसमें ग्राम स्तरीय उद्यमी ग्राहकों को डिजिटल रूप से बैंकिंग उत्पादों का लाभ उठाने में सहायता करेंगे। वीएलई, जो मौजूदा सूक्ष्म–उद्यमी हैं और सरकार–से–उपभोक्ता (जी2सी) सेवाएं प्रदान कर रहे हैं, अब अतिरिक्त रूप से देश के दूरदराज के क्षेत्रों में बैंकिंग उत्पाद और सेवाएं प्रदान करेंगे। इन केंद्रों का उद्घाटन स्थानीय सरपंच, ग्राम प्रधान, मुखिया, पंचायत समिति सदस्यों, युद्ध के दिग्गजों, स्कूलों/कॉलेजों के प्राचार्यों आदि की उपस्थिति में किया गया।

## संत परंपरा सनातन संस्कृति की वाहक हैः निरंजन स्वामी

**संवाददाता** हरिद्वार। भारतमाता पुरम स्थित पुरुषार्थ आश्रम का स्थापना दिवस संत महापुरुषों के सानिध्य में धूमधाम से मनाया गया। इस दौरान इक्कीस विद्वान ब्राह्मणों द्वारा हवन यज्ञ कर विश्व कल्याण की कामना की गई। पुरुषार्थ आश्रम के अध्यक्ष महामनीषी निरंजन स्वामी ने कहा कि संत परंपरा सनातन संस्कृति की वाहक है।

सनातन धर्म को सर्वोच्च शिखर पर ले जाना ही संतों का मूल उद्देश्य है। भारत अपनी सांस्कृतिक विरासत और सनातन पद्धति के माध्यम से वर्तमान में पूरे विश्व का मार्गदर्शन कर रहा है। संत महापुरुष अपने तप और विद्वत्ता के माध्यम से विश्व भर में भारतीय संस्कृति और सनातन धर्म का प्रचार प्रसार कर धर्म की पताका को फहरा रहे हैं। वह दिन दूर नहीं जब भारत स्वयं को विश्व गुरु के रूप में गौरवान्वित करेगा। संत समाज अब इन ताकतों के खिलाफ एकजुट हो चुका है राष्ट्र की एकता खंडिता बनाए रखने के लिए सभी को एक मंच पर आना होगा।

स्वामी आयुष कृष्ण नयन ने कहा कि महामनीषी निरंजन स्वामी भारत सहित देश विदेश में भारतीय संस्कृति और सनातन धर्म का प्रचार प्रसार कर राष्ट्र को उन्नति की ओर अग्रसर करने में अपना सहयोग प्रदान कर रहे हैं। इस मौके पर योगी सत्यव्रतानंद, अभिनव गोयल, मंजू गोयल आचार्य महेंद्र त्रिपाठी, प्रेम प्रताप मेहता आदि मौजूद रहे।

## नैनीताल में पीएसी व पुलिस टीम ने चलाया सत्यापन अभियान

**संवाददाता** नैनीताल। शहर में एसएसपी के निर्देशों के बाद चलाये गए सत्यापन अभियान ने पुलिस के अब तक के अभियानों के सफलता के दावों की पोल खोल कर रख दी। पीएसी जवानों के साथ पुलिस टीम ने मेगा अभियान चलाया तो 81 लोग बिना सत्यापन के घरों में किराये पर रहते मिले। पुलिस ने 45 भवन स्वामियों समेत 81 किरायेदारों पर करीब पांच लाख की चालानी कार्रवाई की है। पुलिस के सत्यापन अभियान से अवैध रूप से रह रहे लोगों में खलबली मच गई। सुबह तड़के रुकुट कंपाउंड क्षेत्र में भारी संख्या में पुलिस बल पहुंचा तो एक पल के लिए लोगों में हड़कंप मच गया मगर सत्यापन संबंधित जानकारी लेने पर लोगों ने राहत महसूस की।

# पानी और सीवर लाइन के साथ ही बिछेगी गैस पाइपलाइन

**संवाददाता** हल्द्वानी। गैस पाइप लाइन से घर तक रसोई गैस पहुंचने का इंतजार कर रहे लोगों के लिए अच्छी खबर है। जल्द ही योजना पर दोबारा काम शुरू होने की उम्मीद है। नगर निगम ने उत्तराखंड अर्बन सेक्टर डेवलपमेंट एजेंसी (यूयूएसडीए) और एचपीसीएल से गैस पाइप लाइन बिछाने को लेकर प्लान मांगा है। जल्द ही निगम की मौजूदगी में दोनों संस्थाओं की बैठक होगी। जिसके बाद शहर के 60 प्रतिशत हिस्से में गैस पाइप लाइन बिछाने की दिशा में काम शुरू कर दिया जाएगा।

शहर में इन दिनों सीवर लाइन और पेयजल लाइन बिछाने का काम भी चल रहा है। इसके लिए

**बाहरी ठेकेदारों का काम नहीं पसंद**

सड़कें और गलियां खोदी जा रही हैं। नगर निगम अब इन्हीं कामों के साथ गैस पाइप लाइन बिछाने का काम करने का मन बना रहा है। यानी सीवर, पेयजल और गैस पाइप लाइन के लिए शहर के शेष हिस्सों में एक साथ ही सड़कों–गलियों की खुदाई होगी। पिछली बार की तरह ये सभी काम अलग–अलग नहीं किए जाएंगे, ताकि बार–बार खुदाई से लोगों को दिक्कत न हो। वर्तमान में एडीबी सहायतित 2200 करोड़ रुपये की परियोजना पर काम कर रही यूयूएसडीए को इसके लिए प्लान बनाने को कहा गया है।

एजेंसी ने इसका विस्तृत प्लान बनाकर नगर निगम को सौंप दिया है। वहीं, दूसरी तरफ एचपीसीएल से शहर के उन क्षेत्रों का ब्योरा मांगा है जहां अभी गैस पाइप लाइन बिछाने का काम होना शेष है। कंपनी से ब्योरा मिलते ही बैठक होगी। जिसमें गैस पाइप लाइन बिछाने का काम शुरू करने को लेकर निर्णय लिया जाएगा। साथ ही सुपरविजन चार्ज और रोड कटिंग चार्ज को लेकर कंपनी और निगम के बीच चल रहा मामला भी सुलझा लिया जाएगा। सूत्रों की मानें तो नगर निगम की सबसे बड़ी दिक्कत एचपीसीएल के ठेकेदारों का काम करने का तरीका है। हल्द्वानी में गैस पाइपलाइन का काम जल्द शुरू हो सकता है। नगर निगम ने यूयूएसडीए और एचपीसीएल से गैस पाइपलाइन बिछाने को लेकर प्लान मांगा है।

## शिवालिक स्कूल में दो दिनी खेल प्रतियोगिताएं शुरू

**संवाददाता** हल्द्वानी। शिवालिक इंटरनेशनल स्कूल में दो दिनी वार्षिक खेल प्रतियोगिताएं शुरू हो गई हैं। पहले दिन शुक्रवार को विद्यार्थियों ने स्कूल कैप्टन हरमनदीप सिंह की अगुवाई में मार्च पास्ट कर चेयरमैन रमेश शर्मा को सलामी दी। स्कूल की फुटबॉलर विद्या दानू ने मशाल प्रज्ज्वलित की। प्रबंध निदेशक अनिल जोशी ने खेलों के प्रति अनुशासन की शपथ दिलाई। चेयरमैन ने खेलों में बढ़ चढ़कर कर भाग लेने को प्रेरित किया। पहले दिन गुरुवार को ट्रैक एंड फील्ड की अनेक प्रतियोगिताएं हुईं। कनिष्ठ और वरिष्ठ वर्ग के बीच दौड़, शॉटपुट, लंबी कूद और भाला फेंक इवेंट कराए गए। शनिवार (आज) को दौड़, ऊंची कूद, भाला फेंक, शॉट पुट, डिस्कस थ्रो आदि प्रतियोगिताएं होंगी। फाइनल मुकाबले भी खेले जाएंगे। यहां प्रधानाचार्य पीएस अधिकारी, नीलम शर्मा, उमेश पंत, नमिता जोशी आदि मौजूद रहे।

पेज थ्री
www.page3news.in

# बयान से हुआ नुकसान

**विधानसभा में नीतीश कुमार जिस मुद्दे पर बोल रहे थे वह महिलाओं की शिक्षा से जुड़ा था और उनका मकसद जन्मदर में आई गिरावट में पढ़ी–लिखी महिलाओं की भूमिका की तारीफ करना था, मगर जिस लहजे में और जो शब्द उनके मुंह से निकले वे महिलाओं की गरिमा को जबर्दस्त चोट पहुंचा गए।**

अनुज सनवाल।।

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने विधानसभा में जिस तरह की बातें कहीं, वे किसी को भी स्तब्ध कर सकती हैं। हालांकि उन्होंने बाद में अपने उस बयान के लिए न केवल माफी मांगी बल्कि अपनी निंदा भी की, लेकिन जो नुकसान उनके बयान से हुआ है, उसकी भरपाई इससे नहीं हो सकती। अफसोस की बात यह है कि विधानसभा में नीतीश कुमार जिस मुद्दे पर बोल रहे थे वह महिलाओं की शिक्षा से जुड़ा था और उनका मकसद जन्मदर में आई गिरावट में पढ़ी–लिखी महिलाओं की भूमिका की तारीफ करना था, मगर जिस लहजे में और जो शब्द उनके मुंह से निकले वे महिलाओं की गरिमा को जबर्दस्त चोट पहुंचा गए। इस प्रकरण का निराशाजनक पहलू सिर्फ यह नहीं कि पूरा भाषण देने के बाद भी मुख्यमंत्री को तुरंत अहसास नहीं हुआ कि वे कैसी आपत्तिजनक बातें कह गए, बाद में उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव जिस तरह से उनका बचाव कर रहे थे, वह भी हैरतंगेज था। इससे साफ होता है कि हमारी राजनीति इन मसलों पर आज भी किस कदर संवेदनहीन बनी हुई है। और, यह स्थिति तब है जबकि नीतीश कुमार अपनी महिला समर्थक नीतियों के लिए जाने जाते रहे हैं। 2006 में शुरू की गई उनकी मुख्यमंत्री बालिका साइकल योजना राष्ट्रीय स्तर पर चर्चित और प्रशंसित हो चुकी है। यही नहीं, शराबबंदी की उनकी नीति की भी और चाहे जो भी आलोचना की जाए, इसमें कोई संदेह नहीं कि उसके पीछे भी महिलाओं की दुर्दशा से उपजी चिंता की बड़ी भूमिका थी।

जाहिर है, उनके ताजा बयान से उपजे विवाद को सिर्फ उनके या उनकी पार्टी के संदर्भ में नहीं लिया जा सकता। यह हमारे समाज में जड़ जमाए बैठी महिला विरोधी मानसिकता से जुड़ी ऐसी समस्या है, जिसके लक्षण समय–समय पर अलग–अलग रूपों में नजर आते रहते हैं। यह अकारण नहीं कि सोनिया और प्रियंका गांधी से लेकर ममता बनर्जी और मायावती तक देश की कोई भी ऐसी प्रमुख महिला राजनेता नहीं है, जिसके बारे में राजनीतिक विरोधियों ने अशोभनीय बयान न दिया हो। राजनीति से अलग भी जीवन और प्रफेशन के हर क्षेत्र में हमें महिलाओं की उपस्थिति की परवाह किए बगैर गालियों का इस्तेमाल करते या 'जोक्स' शेयर करते लोग मिल जाते हैं। हाल ही में सुप्रीम कोर्ट ने एक हैंडबुक जारी की, जिसमें जेंडर स्टीरियोटाइप्स रेखांकित किए गए हैं। यह हैंडबुक इस बात को बहुत अच्छे से बताती है कि कैसे अदालतों के कामकाज की भाषा में महिला विरोधी अभिव्यक्तियां जड़ जमा चुकी हैं और क्यों उन्हें सचेत ढंग से बदले जाने की जरूरत है। मौजूदा चीफ जस्टिस डी वाय चंद्रचूड़ की यह पहल अन्य क्षेत्रों में भी अपनाए जाने की जरूरत है। जिस तरह से सभी दलों के नेता नीतीश के बयान की निंदा में आगे आए हैं, उसे देखते हुए यह उम्मीद गलत नहीं कही जाएगी कि महिलाओं के लिए आरक्षण की व्यवस्था करने वाली राजनीति उनके प्रति अपनी भाषा में सुधार को लेकर अब ज्यादा सतर्कता दिखाएगी।

## पूजा का लाभ

धर्म-दर्शन

**अशोक वोहरा।** एक खास पर्व पीआर पूजा करने पर इसका लाभ 10 गुना बारह जाता है। सुबहा स्नान करने के बाद अपने हाथो से तुलसी जी को एक ऊचे स्थान पर विराजित करे। घर की महिलाओ द्वारा इस पर (तुलसी के पौधे पर) चुनरी चढ़ाई जाए और 16 शृंगार किए जाए। अब जल सीचते समय इस मंत्र का उच्चारण करे दृ "महाप्रसादजननी सर्व सौभाग्यवर्धनी आधि व्याधि हारा नित्य तुलसी त्वां न्मोस्तुते। उसके बाद तुल्स्ये नमः नमः मंत्र बोलते हुए गमले पर तिलक करे पुस्प , अक्षत और प्रसाद अर्पित करे। दीपक जलाकर तुलसी मैया की आरती करे और फिर 11 बार परिक्रमा करे । अब आपको 11 पत्ते तोड़ने है "पत्ते तोड़ते समय कुझ नियम जरूर ध्यान मे रखे " और टोड़े हुए पत्ते प्रसाद मे मिलाकर घर के सभी सदस्यों मे बात दे।

## संपादकीय

### काम नहीं तो कमाई नहीं

गिग इकॉनमी में हफ्ते में 70 घंटे काम करना आम चलन बन सकता है। लोग जब तक फिजिकली और मेंटली फिट होंगे, काम करेंगे। नहीं करेंगे या छुट्टियां लेंगे तो कमाई घटेगी। भविष्य में ज्यादातर रोजगार स्टार्टअप्स से पैदा होंगे, न कि बड़ी कंपनियों और सरकार से। ये परमानेंट जॉब्स होंगी, इसकी संभावना भी बहुत कम है। इसलिए हफ्ते में 70 घंटे काम करना कोई समस्या नहीं है, बल्कि यह एक अस्थायी समाधान है, तब तक के लिए, जब तक कि हम जॉब्स की क्वॉलिटी की समस्या का कोई बेहतर हल नहीं ढूंढ लेते। आपने अक्सर देखा होगा कि सरकारी कर्मचारी पुरानी पेंशन योजना बहाल करने की मांग करते रहते हैं। हो सकता है, उन्हें उस पेंशन को पाने के बदले में लंबे वक्त तक काम करना पड़े। यदि कोई सरकारी कर्मचारी आज 25 वर्ष की आयु में नौकरी पाता है, तो वह साल 2058 में 60 वर्ष की आयु में रिटायर होने की उम्मीद नहीं कर सकता क्योंकि तब तक पेंशन फंड में योगदान करने वाले युवा कर्मचारियों का समूह कई कारणों से काफी हद तक कम हो चुका होगा। अधिक संभावना इस बात की है कि सरकारी कर्मचारियों से पेंशन के लिए 70 वर्ष की आयु तक काम करने के लिए कहा जाएगा। लोगों को खर्च घटाना होगा, बचत बढ़ानी होगी। सुनने में लग रहा होगा कि ऐसी दुनिया में कितनी मुश्किलें होंगी, लेकिन क्या वह दुनिया मुश्किल नहीं थी, जिसमें हमने मान लिया था कि नौकरी तो परमानेंट ही होती है?

एक तरह से देखा जाए तो यह विवाद बेवजह पनपा है क्योंकि मूर्ति ने यह बात कामगारों या कंपनियों के लिए कही ही नहीं है। उनका कहना है कि युवाओं को 70 घंटे काम करना चाहिए।

# काम तो कर ही रहे

आर जगन्नाथन।।

इंफोसिस के को–फाउंडर एन आर नारायण मूर्ति अचानक विवादों में घिर गए हैं। उन्होंने एक बयान दिया कि भारत के युवाओं को प्रॉडक्टिविटी बढ़ाने के लिए हफ्ते में 70 घंटे काम करना चाहिए। इस पर मजदूर संघ, HR प्रफेशनल और डॉक्टर अपनी–अपनी राय दे रहे हैं। ज्यादातर का कहना है कि इससे युवाओं में तनाव बढ़ेगा और हार्ट अटैक के मामले भी बढ़ जाएंगे। एक तरह से देखा जाए तो यह विवाद बेवजह पनपा है क्योंकि मूर्ति ने यह बात कामगारों या कंपनियों के लिए कही ही नहीं है। उनका कहना है कि युवाओं को 70 घंटे काम करना चाहिए। ऐसे में यह कहना ठीक नहीं कि उनके बयान से कर्मचारियों और कामगारों के शोषण को बढ़ावा मिलेगा। इसके बावजूद यह चर्चा का विषय तो है क्योंकि आने वाला समय गिग इकॉनमी का है। इसका मतलब उस वक्त से है, जब परमानेंट जॉब्स नहीं के बराबर होंगी, मार्केट में बस फ्रीलांस और कॉन्ट्रैक्ट वाली नौकरियां होंगी। ऐसे कई ग्रुप हैं, जो पहले से ही हफ्ते में 70 घंटे काम कर रहे हैं। इसका सबसे अच्छा उदाहरण हैं, स्टार्टअप के कर्मचारी। स्टार्टअप के निवेशक तो कम से कम यह नहीं ही चाहेंगे कि स्टार्टअप के कर्मचारी इससे कम काम करें।

सेल्फ एंप्लॉयमेंट से जुड़े लोग चाहे वे फेरी

लगाने वाले हों या पकौड़े बेचने वाले, सब पहले से ही 70 घंटे काम कर रहे हैं। अगर वे अपने छोटे से बिजनेस को इतना समय नहीं देंगे, तो परिवार को खाना तक नहीं खिला पाएंगे। ऐसे लोगों की संख्या काफी ज्यादा है। 40 करोड़ से अधिक लोगों को मुद्रा लोन दिया जा चुका है, जबकि छोटी किराना दुकानों की संख्या 1 करोड़ 10 लाख से ज्यादा है।
सबसे बदनाम माने जाने वाले राजनीतिक नेता और पुलिसवाले भी हफ्ते में 70 घंटे काम करते हैं।
बड़े शहरों के सैलरीड एंप्लॉयीज के बारे में ही कहा जा सकता है कि वे हफ्ते में 40 से 45 घंटे काम करते हैं। लेकिन, उनके भी ऑफिस जाने में लगने वाले समय और कंपनी की एक्स्ट्रा एक्टिविटीज को जोड़ दिया जाए तो मामला हफ्ते के 70 घंटे के करीब ही होगा। यह सब सुनने के बाद कुछ लोग कह सकते हैं कि हम तो पहले से ही ज्यादातर सेक्टरों में 70 घंटे काम कर रहे हैं। फिर इस पर बात ही क्यों करनी है? इसका बहुत सीधा और संक्षिप्त जवाब नहीं हो सकता। इस सचाई पर गौर कीजिए कि आज की तारीख में कामकाज स्किल्स के आधार पर दो हिस्सों में बंट गया है। एक तरफ बहुत ज्यादा कौशल की जरूरत वाले सेक्टर हैं, जैसे साइबर सिक्यॉरिटी, आर्टिफिशल इंटेलिजेंस, मशीन लर्निंग, डिजाइन वगैरह। दूसरा क्षेत्र कम स्किल्स का है। जैसे, उबर ड्राइवर, डिलिवरी बॉय वगैरह। ये सभी 'ब्लू कॉलर' सर्विसमेन हैं, जिनकी कमाई इस बात पर निर्भर करती है वे कितने घंटे काम कर रहे हैं।

यह भी ध्यान में रखना होगा कि टेक्नॉलजी जिस तरह से हमारे बीच जगह बना रही है, उसके चलते हमारे देखते ही देखते मिडल क्लास, मिडल सेक्टर, मिडल स्किल नौकरियां खत्म हो जाएंगी। भविष्य में ज्यादातर लोग टेली–कंसल्टेशन पर शिफ्ट हो जाएंगे क्योंकि कोई अपना इतना समय निकालकर प्रेस्क्रिप्शन के लिए क्लीनिक के बाहर लंबी कतारों में नहीं खड़ा होगा।

### सूडोकु नवताल-5234

वज़न: ★☆☆☆☆

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 3 | | | | 8 | | | | 9 |
| | | | | | | | | |
| | | 8 | 6 | | 9 | 5 | | |
| 6 | 5 | | | 4 | | | 7 | 1 |
| | 4 | | | | | | 2 | |
| 1 | 2 | | | 6 | | | 9 | 8 |
| | | 6 | 4 | | 5 | 8 | | |
| | | | | | | | | |
| 9 | | | | 1 | | | | 7 |

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -5233 का हल

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 8 | 2 | 4 | 3 | 9 | 7 | 5 | 1 | 6 |
| 3 | 5 | 6 | 1 | 4 | 2 | 7 | 8 | 9 |
| 1 | 9 | 7 | 6 | 5 | 8 | 2 | 3 | 4 |
| 9 | 6 | 2 | 5 | 8 | 3 | 1 | 4 | 7 |
| 5 | 3 | 1 | 4 | 7 | 9 | 8 | 6 | 2 |
| 4 | 7 | 8 | 2 | 1 | 6 | 9 | 5 | 3 |
| 2 | 8 | 3 | 9 | 6 | 1 | 4 | 7 | 5 |
| 6 | 1 | 5 | 7 | 2 | 4 | 3 | 9 | 8 |
| 7 | 4 | 9 | 8 | 3 | 5 | 6 | 2 | 1 |

## अपना ब्लॉग

### सरकारी नौकरियां ही सुरक्षित और टिकाऊ

**मोहन।** कुल मिलाकर सरकारी नौकरियां ही सुरक्षित और टिकाऊ लग रही हैं। इनमें पहला नंबर होगा बैंक काउंटरों और कॉल सेंटरों पर काम करने वाले लोगों का। फिर शॉप–फ्लोर वर्कर्स और लो स्किल्ड आईटी वर्कर्स का भी नंबर आएगा। ऑटोमेशन, टेक्नॉलजी और एल्गोरिदम की मदद से भी ये सारे काम किए जा सकते हैं। मेडिकल फील्ड में भी डठठै डॉक्टरों की तुलना में नर्सिंग के लेवल पर केयरटेकिंग करने वालों की जरूरत बढ़ेगी क्योंकि जनरल फिजिशियन के 90 फीसदी काम तो एल्गोरिदम और डेटा बैंक ही कर देंगे। उनके पास आपकी पूरी मेडिकल हिस्ट्री होगी, आपकी सारी पुरानी बीमारियां उन्हें पता होंगी और यह तक पता होगा कि आप किस चीज से एलर्जिक हैं। यही वजह है कि इंजीनियर और PHD होल्डर यूपी में चपरासी की नौकरी के लिए अप्लाई कर रहे हैं। लेकिन सरकारें भी अग्निवीर की तरह कॉन्ट्रैक्ट वाली नौकरियों की तरफ शिफ्ट होना चाहेंगी क्योंकि वे पीछे छूट गए लोगों को सामाजिक सुरक्षा देने में खुद को दिवालिया करने की राह पर हैं।

## कंगुवा के सेट पर सूर्या को लगी चोट, कंधे पर कैमरा गिरने से हुए घायल

साउथ के सुपरस्टार सूर्या फिलहाल अपनी फिल्म कंगुवा की शूटिंग कर रहे हैं और एक्टर ने इसके लिए डायरेक्टर सिरुथाई शिवा के साथ हाथ मिलाया है। शूटिंग का अंतिम फेज चेन्नई के एक फिल्म सिटी में शूट हो रहा है, जहां मेकर्स ने एक भव्य सेट बनाया है। ताजा रिपोर्ट में कहा गया है कि कंगुवा की शूटिंग के दौरान एक रोप कैमरा अपना नियंत्रण खो बैठा और वह सूर्या पर गिर गया। इससे उन्हें चोट आ गई है। कथित तौर पर कैमरा सूर्या के कंधे पर लगा और एक्टर को चोट लग गई है। सौभाग्य से, सूर्या का सिर सुरक्षित रहा क्योंकि चोट अधिक गंभीर होती अगर उनके कंधे पर लगा कैमरा उनके सिर पर गिरता। दुर्घटना के बाद शूटिंग रोक दी गई है। इस बीच, फैंस एक्टर के ठीक होने के लिए अपनी प्रार्थनाएं भेज रहे हैं और वे कड़ी मेहनत करने वाले सूर्या को जल्द ही ठीक होते देखना चाहते हैं। हालांकि, सूर्या की चोट की गंभीरता अभी पता नहीं चल पाई है, और हमें यह जानने के लिए मेकर्स की प्रतिक्रिया का इंतजार करना होगा कि क्या यह सूर्या के लिए बड़ी चोट है या छोटी चोट। श्कंगुवाश के सेट से सूर्या की नई तस्वीर हाल ही में वायरल हुई, और वायरल तस्वीर में हैंडसम एक्टर को एक फैन के साथ देखा गया। सूर्या ने कथित तौर पर श्कंगुवाश में अपने लुक के लिए कुछ किलो वजन कम किया है और वह कई सारे लुक्स में दिखाई देंगे।

## रणबीर कपूर की एनिमल का खूंखार ट्रेलर रिलीज

आखिरकार रणबीर कपूर और रश्मिका मंदाना की फिल्म एनिमल का ट्रेलर रिलीज हो चुका है। जैसा कहा जा रहा था ठीक वैसा ही हुआ है। एकदम दमदार, भयानक और रोंगटे खड़े कर देने वाला। फैंस तो इसे देखते ही कह रहे हैं कि जैसा मेकर्स ने इस फिल्म का नाम रखा है बिल्कुल फिल्म का ट्रेलर भी वैसा ही है। चलिए दिखाते हैं एनिमल का ट्रेलर और बताते हैं अन्य डिटेल। एनिमल की कहानी की बात करें तो ये बाप बेटे पर बनी है। बिजनेस के चक्कर में पिता अपने बेटे से दूर रहा है। मगर बेटे के दिल में नफरत नहीं बल्कि प्यार भरा है। वह पिता के लिए एक लफ्ज नहीं सुन सकता है। वह पिता से कितना प्यार करता है ये उसका पिता कभी समझ नहीं सका है। फिल्म में रणबीर कपूर एक गैंगस्टर की भूमिका में हैं। वह इस दलदल में भी पिता के चलते ही उतरा है। संदीप रेड्डी वांगा के निर्देशन में बनी एनिमल का बजट 100 करोड़ से भी अधिक बताया जा रहा है।

## 16 साल की ईशा मालवीय का पहला ऑडिशन, 11वीं क्लास में मिला था उड़ारियां

बिग बॉस 17 की चर्चित कंटेस्टेंट ईशा मालवीय के बारे में घर और बाहर दोनों जगह बातें होती हैं। ईशा टीवी इंडस्ट्री में काफी पॉपुलर हैं और उनकी फैन फॉलोइंग भी ज्यादा है। बहुत ही कम लोग जानते हैं कि ईशा की उम्र अभी बहुत ज्यादा नहीं है और वो केवल 20 साल की हैं। आइए बताते हैं ईशा की शुरू से कहानी। जब वह 11वीं में थीं तब उन्हें उनका पहला रोल ऑफर हुआ। उस वक्त वह 16 साल की थीं। और इस तरह, ईशा को टीवी शो उड़ारियां में जैस्मीन कौर का पहला किरदार मिला। इससे पहले, ईशा केवल टिकटॉक वीडियो बनाती थीं, जिनमें ज्यादातर डांस वीडियो होते थे, जिससे वह अपने शहर नर्मदापुरम में फेमस हो गईं। उन्हें एहसास नहीं था कि उनके वीडियो इतने फेमस थे कि वे उनकी लाइफ और करियर को भी बदल देंगे। सबसे पहले, उन्होंने सोचा कि वह एक्टिंग नहीं कर पाएंगी क्योंकि टिकटॉक वीडियो बनाना और पूरे क्रू के सामने एक्टिंग करना बिल्कुल अलग था। जब उन्हें ऐसा लगा तो उन्होंने शो का हिस्सा बनने से लगभग इनकार कर दिया, तो उन्हें ट्रेनिंग लेने की पेशकश की गई। शो के सेट पर उनकी मुलाकात अभिषेक कुमार से हुई, जो बिग बॉस 17 का भी हिस्सा हैं। शो में एक साथ काम करने के अलावा, वे टिकटॉक और इंस्टाग्राम वीडियो के लिए भी साथ आने लगे। लोगों को उनकी केमिस्ट्री बहुत पसंद आई।

# धड़कन बढ़ रही, धुंधलापन है, इस स्थिति से गुजर रहीं शमिता शेट्टी

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

*बिग बॉस 15 की कंटेस्टेंट शमिता शेट्टी 44 साल की हैं। उन्होंने पेरिमेनोपॉज नाम की स्थिति के बारे में जागरूकता पैदा करते हुए एक वीडियो पोस्ट किया। मोहब्बतें एक्ट्रेस ने एक वीडियो पोस्ट किया जिसमें उन्होंने बताया कि कैसे वह मूड स्विंग्स, अचानक वजन बढ़ने और कई समस्याओं से पीड़ित थीं। ये पेरिमेनोपॉज के लक्षण थे, एक ऐसी स्थिति जिसके बारे में महिलाएं ज्यादा नहीं बात करती हैं। शमिता ने एक वीडियो शेयर करते हुए कहा, आपमें से कितनी महिलाएं अचानक वजन बढ़ने से पीड़ित हैं, आप एक ही खाना, एक ही कसरत करती हैं लेकिन असर नहीं हो रहा है।*

**बताई औरतों की ये समस्या**

शमिता शेट्टी ने कहा, मेरी भूख बढ़ गई है, मूड में बदलाव, धुंधलापन, धड़कनें बढ़ना, यह एक पागलपन है। इतने सारे लक्षण, कि मुझे लगा कि मैं इसमें अकेली हूं, लेकिन जब मैंने उसी उम्र की अपनी कुछ फ्रेंड्स से बात की, तो उन्होंने वही लक्षण बताए खासकर धुंधलापन, वजन बढ़ना और भूख लगना। मैंने इसे खोजना शुरू किया और मुझे एक आर्टिकल मिला जिसमें पेरिमेनोपॉज के बारे में बात की गई थी।

**क्या होता है पेरीमेनोपॉज?**

उन्होंने आगे बताया, मुझे नहीं पता था कि पेरीमेनोपॉज क्या

होता है, मैंने सोचा था कि एक उम्र के बाद हम इससे गुजरते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि आप 10 साल पहले से पेरिमेनोपॉज से गुजर सकते हैं? महिलाओं के लिए यह वास्तव में कठिन है। हमें अपने पीरियड्स देखने पड़ते हैं, हमें इससे निपटने के लिए अपना पीएमएस देखना पड़ता है, हम जन्म देते हैं, हम अपने हार्मोनल परिवर्तनों से गुजरते हैं और अब यह पेरिमेनोपॉज लिस्ट में जुड़ गया है।

**महिला होना आसान नहीं है**

शमिता ने कहा कि जागरूकता पैदा करना जरूरी है, श्मुझे पूरा यकीन है कि कई महिलाएं इसके बारे में नहीं जानती हैं जैसा कि मुझे भी नहीं पता था। हमें इस बारे में अधिक बात करनी चाहिए और एक–दूसरे के लिए मौजूद रहना चाहिए। हार्मोनल परिवर्तन हो रहे हैं इसलिए महिलाओं में ये सब होता है। मैं इसमें अकेली नहीं हूं। हमें इस बारे में और बात करने की जरूरत है। मजाक उड़ाते हुए कई वीडियो भी बनाए जा रहे हैं। क्या आप जानते हैं कि हम कितने हार्मोनल परिवर्तनों से गुजरते हैं, यह पागलपन है। एक महिला होना आसान नहीं है।

# आलू जी सुनकर चिड़चिड़ी हुईं आलिया भट्ट

*आलिया भट्ट शादी के बाद और ज्यादा इवेंट्स में देखी जाती हैं। हालांकि उन्होंने अपनी बेटी राहा का चेहरा अब तक किसी को नहीं दिखाया है लेकिन उनके बारे में चर्चा लगातार होती है। हाल ही में आलिया जब एक इवेंट में पहुंचीं तो उनसे फिर राहा के बारे में सवाल किया गया, जिसका उन्होंने क्यूट तरीके से जवाब दिया।*

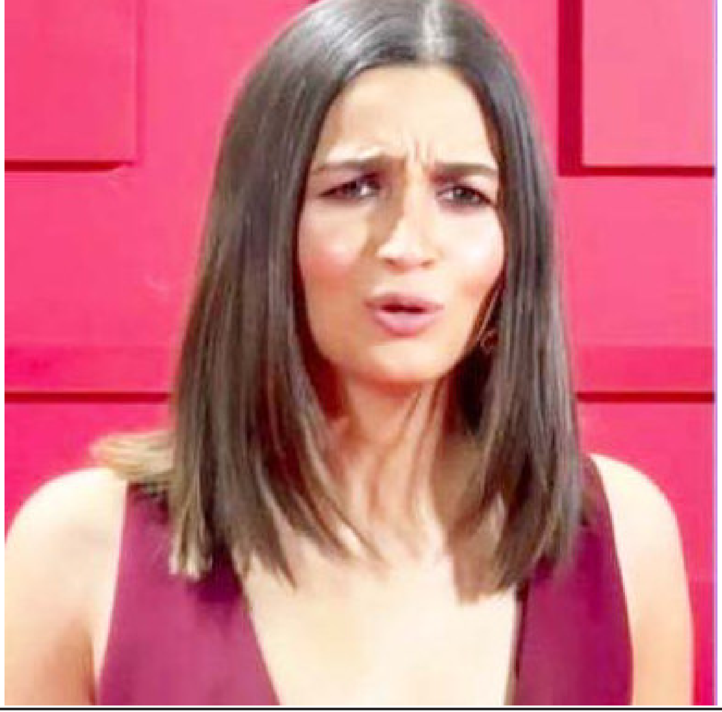

22 नवंबर को आलिया भट्ट ने एक अवार्ड फंक्शन में शिरकत की। वह अपने नए स्टनिंग अवतार में सबसे बोल्ड लग रही थीं। इवेंट के लिए, उन्होंने एक शानदार जंपसूट पहना था, जिसमें आगे और पीछे दोनों तरफ प्लंजिंग नेकलाइन, दो साइड पॉकेट और डिटेलिंग थी। बोल्ड जंपसूट पहनकर वह अपने बाल फ्लॉन्ट करती नजर आईं। इवेंट के तुरंत बाद, उन्होंने अपने इंस्टा हैंडल पर शानदार तस्वीरें शेयर कीं।

**आलिया भट्ट का लेटेस्ट लुक**

आलिया ने अपने लुक को मैचिंग जूते, सोने के कंगन, लाइट मेकअप और हुप्स के साथ पेयर किया। इसके अलावा, उन्होंने एक नया हेयरस्टाइल भी चुना। इसके अलावा, आलिया के न केवल सोशल मीडिया पर बहुत सारे फैंस हैं, बल्कि वह बाकी लोगों के साथ भी एक प्यारा रिश्ता शेयर करती हैं। इस तरह, समय–समय पर, हमें शटरबग्स और आलिया के बीच प्यारी बातचीत देखने को मिलती है।

**बेटी के बारे में आलिया ने क्या जवाब दिया**

जब आलिया को अवॉर्ड इवेंट में देखा गया, तो उन्होंने खुशी–खुशी बातचीत की और बाहर खड़े लोगों के लिए पोज दिए। वहीं पोज देते हुए उनसे उनकी बेटी राहा कपूर का हालचाल भी पूछा गया। इस पर, प्यारी मां ने आंख मारते हुए क्यूट रिएक्शन दिया। ये देखकर पपाराजी चिल्ला उठे।

**ननद के साथ कहफी विद करण में आलिया**

कुछ दिन पहले, आलिया भट्ट अपनी ननद करीना कपूर खान के साथ चैट शो कॉफी विद करण 8 में आई थीं। शो के दौरान, आलिया ने अपने जीवन के बारे में कुछ अनसुने खुलासे किए। हालांकि, वहां भी आलिया के लुक ने हमारा ध्यान खींचा। शो में डिवा ने एक मैरून रंग की सीक्विन मैक्सी ड्रेस पहनी थी, जिसमें एक नेकलाइन थी, और वो बेहद प्यारी लग रही थीं। आलिया की ये ड्रेस भारी कीमत के साथ आती है।

# इस खास विटामिन की कमी से अचानक पीला दिखने लगता है चेहरा

*किसी भी प्रकार की विटामिन की कमी आपके शरीर के लिए हानिकारक साबित हो सकती है। विटामिन बी12 की कमी होने पर किसी भी व्यक्ति में विशिष्ट लक्षण विकसित हो सकते हैं, और न केवल आंतरिक रूप से बल्कि उनके चेहरे पर भी कुछ बदलाव दिखाई दे सकते हैं। आइए जानते हैं अगर शरीर में विटामिन बी12 की कमी हुई तो चेहरा कैसा दिखने लगता है।*

**त्वचा पर मुंहासे और ड्रायनेस**
हार्मोनल चेंज की वजह से स्किन पर एक्ने और ड्रायनेस दिखने लगती है। यदि आपके शरीर में विटामिन्स की कमी है, तो आपकी त्वचा पर परिवर्तन साफ दिख सकता है। विटामिन ए और ई की कमी के कारण आपके चेहरे पर मुंहासे पैदा कर सकता है, जबकि विटामिन बी 12 की कमी का निम्न स्तर आपकी त्वचा को पहले से कहीं अधिक पीला दिखा सकता है। इसके अलावा आपको यह भी ध्यान देना है कि कहीं आपको अत्यधिक थकान, मूड में बदलाव और अन्य लक्षण तो नहीं दिख रहे हैं।

**स्किन के लिए क्यों जरूरी है विटामिन बी12**
यह विटामिन आपकी त्वचा के लिए बेहद हेल्दी है, जैसे कि यह कोलेजन उत्पादन में वृद्धि करता है और त्वचा को अंदर से हाइड्रेट करता है। यदि आपकी स्किन काफी ज्यादा सेंसिटिव या चेहरे पर सूजन रहती है, तो उस उपचार में भी विटामिन बी12 की भूमिका पाई गई है। विटामिन बी12 हेल्दी सेल्स के उत्पादन को बढ़ावा देने में भी मदद करता है, जो झुर्रियों और उम्र बढ़ने के अन्य लक्षणों को कम करने में मदद कर सकता है।

**जीभ का लाल दिखाई देना**
यदि शरीर में ठीक प्रकार से खाने के माध्यम से विटामिन बी12 नहीं पहुंच रहा है, तो हमारी जीभ लाल दिखाई देने लगती है। वहीं शायद कभी कभार आपको स्वेलिंग भी दिखाई दे जाए। जब इसके स्तर में ज्यादा कमी दिखाई देती है तो टेस्ट बड्स काम करना भी बंद कर देते हैं। इस बीमारी को ग्लोसाइटिस के नाम से भी जाना जाता है।

**स्किन का पीला दिखना**
विटामिन बी12 की कमी से त्वचा का रंग पीला पड़ सकता है। त्वचा के रंग में ये परिवर्तन तब विकसित हो सकता है, जब किसी व्यक्ति का शरीर पर्याप्त आरसीबी ना बना पा रहा हो। विटामिन बी12 लाल रक्त कोशिकाओं के उत्पादन में भूमिका निभाता है। विटामिन बी12 की कमी से आरबीसी या मेगालोब्लास्टिक एनीमिया की कमी हो सकती है, जिसका संबंध पीलिया से होता है। विटामिन बी12 की कमी जानने के लिए आपके डॉक्टर आपका टेस्ट करवाएंगे। किसी व्यक्ति के खून में विटामिन बी12 की मात्रा 150 प्रति एमएल से कम होने पर विटामिन बी12 की कमी का पता चलता है।

# एक्जाम या इंटरव्यू देने से पहले क्यों हो जाता है पेट खराब

क्या आपने कोई फैसला लेने से पहले पेट में गुदगुदी महसूस की है। या फिर प्रेजेंटेशन से पहले मतली का अहसास हुआ हो। ऐसा होना बहुत ही सामान्य बात है। जब भी हमें किसी नई चीज की शुरुआत करनी हो, परीक्षा या इंटरव्यू के लिए जाना हो, तो पेट में अजीब से हलचल होती है। कभी सोचा है कि ऐसा क्यों होता है। ऐसा इसलिए है क्योंकि हमारा मस्तिष्क सीधे तौर पर हमारी आंत से जुड़ा हुआ है। गैस्ट्रोएंटेरोलॉजिस्ट के अनुसार, तनाव और चिंता आंत के काम पर बुरा असर डालते हैं। इससे व्यक्ति की भूख कम हो जाती है और पेट भी फूला हुआ रहता है। इन लक्षणों पर उन लोगों को ध्यान देना चाहिए, जो अक्सर ही चिंता में रहते हैं। यहां पांच पाचन लक्षणों के बारे में बताया गया है, जो इस बात का संकेत है कि आपको किसी बात की चिंता सता रही है।

**ज्यादा घबराहट से हो सकता है डायरिया**
स्ट्रेस हार्मोन तनाव बढ़ने का कारण हैं। ये बड़ी आंत में मोटर फंक्शन को तेज कर सकता है। जिससे डायरिया की संभावना बढ़ती है। इसे एंग्जाइटी डायरिया कहते हैं, जो आंत और मस्तिष्क के बीच के कनेक्शन के कारण होता है।

**अपच और मतली**
चिंतित होने पर शरीर से कुछ हार्मोन और केमिकल रिलीज होते हैं, जो आपके पाचन तंत्र में प्रवेश करके पाचन को बाधित करते हैं। वे

आपके गट फ्लोरा पर नकारात्मक प्रभाव डालते हैं और एंटीबॉडी प्रोडक्शन को कम करते हैं। जिससे अपच और मतली का अहसास होता है।

**सूखा हुआ मुंह**
जब भी हम चिंतित होते हैं, तो सिंपैथेटिक नवर्स सिस्टम एक्टिवेट हो जाता है। इस कारण लार बनने की प्रक्रिया धीमी पड़ जाती है और मुंह सूखने लगता है।

**ओवरएक्टिव ब्लैडर**
चिंता से जूझ रहे लोगों को ओवरएक्टिव ब्लैडर का सामना करना पड़ सकता है। दरअसल,ऐसा इसलिए है क्योंकि तनाव हमारे शरीर में एक प्रतिक्रिया पैदा करता है, जो स्ट्रेस हार्मोन को ब्लड फ्लो में प्रवाहित करता है। इस स्ट्रेस हार्मोन के रिलीज होने पर बार–बार पेशाब जाने की इच्छा होती है।

**स्वस्थ आहार लें**
प्रोसेस्ड और चीनी से भरपूर खाद्य पदार्थों से परहेज करें। इसकी जगह फल, सब्जियां, प्रोबायोटिक्स और फाइबर से भरपूर खाद्य पदार्थ का सेवन कर सकते हैं। ये सभी आंत में गुड बैक्टीरिया को बनाने में मददगार हैं।

**एक्सरसाइज करें**
चिंता और गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल प्रॉब्लम दोनों के लिए एक्सरसाइज एक अच्छा विकल्प है। यह आपके मस्तिष्क और आंत सहित सभी अंगों में ब्लड सर्कुलेशन को ठीक रखता है। एक्सरसाइज करने से फील–गुड हार्मोन भी रिलीज होता है, जो चिंता को कम करने में सहायक है।

**खूब पानी पीएं**
पाचन प्रक्रिया को बढ़ावा देने के लिए दिन में छह से आठ गिलास पानी पीने का टारगेट रखें। गैस्ट्रिक जूस का सेवन करें। अगर आप अपने पेट के स्वास्थ्य में सुधार करना चाहते हैं, तो जरूरी विटामिन, मिनरल और पोषक तत्वों के अवशोषण के लिए गैस्ट्रिक जूस का सेवन करना अच्छा विकल्प है।

## एक्सरसाइज से 10 गुना असरदार है मक्के की रोटी और साग

सरसों के साग के साथ मक्के की रोटी खाने का मजा ही अलग है। इसे खाकर वजन को बहुत जल्दी कम किया जा सकता है। अगर एक्सरसाइज से वेट लॉस नहीं हो पा रहा है तो जरूर आपकी डाइट में वेट लॉस फूड नहीं है। रेगुलर चपाती की जगह मक्के की रोटी खाने से शरीर को मजबूत और ताकतवर बनाया जा सकता है। सरसों, पालक या अन्य साग प्रोटीन, फाइबर, आयरन जैसा महत्वपूर्ण न्यूट्रिशन देता है। यह फूड अकेला ही शरीर को अनगिनत फायदे देता है, जिन्हें मक्के का आटा कई गुना बढ़ा देता है। इसमें प्रोटीन, फाइबर, लो कैलोरी और लो जीआई वैल्यू होती है, जो इसे बेली फैट हटाने के लिए बेस्ट फूड बनाता है। मक्के की रोटी लो कैलोरी फूड है, जिससे फैट जल्दी बर्न होता है। इसमें बहुत सारा फाइबर है जो भूख कंट्रोल करता है और आप कम खाते हैं। इसके साथ प्रोटीन की मौजूदगी मसल्स को घटने से बचाती है, जिससे वेट लॉस के साथ ताकत बनी रहती है और कमजोरी नहीं आती। कब्ज और बवासीर एक साथ जुड़ी हुई बीमारी हैं, मगर मक्के की रोटी खाने वालों की इसकी चिंता नहीं करनी चाहिए। इस आटे का फाइबर मल को मुलायम बनाकर बाहर निकलने में मदद करता है और पेट साफ हो जाता है। मक्की का आटा एकदम ग्लूटेन फ्री है, जिस वजह से यह हर किसी के लिए हेल्दी है।

## चीन में कोरोना के बाद फैली अजीब बीमारी, मरीजों से खचाखच भरे अस्पताल

पूरी दुनिया को कोरोना वायरस महामारी देने वाले चीन में इन दिनों एक अजीब तरह के निमोनिया ने कहर मचा रखा है। इसे एक नई महामारी के रूप में देखा जा रहा है। यहां के स्कूलों में रहस्यमय निमोनिया का प्रकोप फैल रहा है। हालत ठीक वैसे ही बने हुए हैं, जैसे कोरोना की शुरुआत में बने हुए थे। अस्पतालों में भर्ती होने वाले मरीजों की संख्या बढ़ती जा रही है। बताया जा रहा है कि बीजिंग और लियाओनिंग शहर के अस्पतालों में बीमार बच्चों की तादात बढ़ती जा रही है। सबसे चिंता की बात यह है कि हेल्थ एक्सपर्ट और डॉक्टर भी इसके बारे में कुछ खास नहीं जानते हैं जिससे इलाज में भी परेशानी हो रही है। ऐसी खबरें हैं कि बढ़ते संकट को देखते हुए जल्द ही स्कूल बंद होने वाले हैं।

## अगर 30 की उम्र में खा ली तो बुढ़ापे तक कड़क रहेगा शरीर

30 साल की उम्र जीवन का एक ऐसा पड़ाव है, जहां जिम्मेदारियां डबल हो जाती हैं। अधिकतर मामलों में तक शादी और बच्चे हो चुके होते हैं। इस दौरान नौकरी और कामकाज का पूरा जोर रहता है। महिला हो या पुरुष कुल मिलाकर इस उम्र में सांस लेने की फुर्सत नहीं होती है। जाहिर है इस उम्र में इतनी भागदौड़ करने के लिए शरीर को दुरुस्त रखना भी जरूरी है। यह उम्र का वो हिस्सा होता है, जहां बीमारियों का खतरा भी ज्यादा होता है। डायबिटीज, थाइरोइड, ब्लड प्रेशर जैसी बीमारियों की रिस्क भी इसी उम्र में ज्यादा होता है। जाहिर है अगले बीस–तीस सालों तक शरीर को मजबूत बनाने के लिए इस उम्र में सेहत का ज्यादा ध्यान रखना जरूरी है। अधिक फाइबर खाने से हृदय रोग, स्ट्रोक, टाइप 2 डायबिटीज और कोलोरेक्टल कैंसर का खतरा कम हो जाता है। 31–50 साल की महिलाओं को रोजाना 25 ग्राम जबकि पुरुषों को 31 ग्राम फाइबर का सेवन करना चाहिए। इसके लिए अपने खाने में फल, सब्जियां, साबुत अनाज, ड्राई फ्रूट्स और बीज शामिल करें। मछली, अंडे, ड्राई फ्रूट्स, सीड्स और कई तरह के फलों में ओमेगा 3 फैटी एसिड पाया जाता है। यह तत्व दिल के रोगों का जोखिम करने,, दिमाग तेज करने और शरीर के बेहतर विकास में सहायक है। इसके लिए आपको मछली के अलावा अखरोट, चिया बीज और भांग के बीज आदि का सेवन करना चाहिए। कैल्शियम एक ऐसा पोषक तत्व है जो हड्डियों को मजबूती देता है। 31–50 वर्ष की आयु के लिए कैल्शियम की सिफारिश प्रति दिन 1,000 मिलीग्राम (मिलीग्राम) है। इसके लिए आपको अपने खाने में दही, पनीर, ब्रोकोली, पालक, केल और बादाम जैसी चीजों को शामिल करना चाहिए।

सूर्या भाई के साथ एक ही टीम में खेला था

# बेंच पर बैठे-बैठे खुद से बात करता था

किशन ने मैच के बाद प्रेस कांफ्रेंस में कहा, 'विश्व कप के दौरान जब मैं नहीं खेल रहा था तो मैंने हर अभ्यास सत्र से पहले खुद से पूछा कि अब मेरे लिए क्या महत्वपूर्ण है। मैं क्या कर सकता हूं। मैंने नेट पर बहुत अभ्यास किया। मैं कोच से लगातार खेल के बारे में बात कर रहा था, मैच को अंत तक कैसे ले जाएं, कुछ खास गेंदबाजों को कैसे निशाना बनाया जाए।' मैंने आईपीएल में भी सूर्या भाई के साथ एक ही टीम में खेला था इसलिए मुझे पता है कि वह कैसे खेलते हैं, कौन से शॉट खेल सकते हैं... मुझे लगता है कि आज मैदान पर संवाद बहुत अच्छा था।

**एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)** विशाखापत्तनम। वनडे विश्व कप के दौरान इशान किशन को भले ही शुरुआती मुकाबलों के बाद खेलने का मौका नहीं मिला हो, लेकिन उन्हें विशेषज्ञ कोच के मार्गदर्शन में अपने खेल पर काम करने का मौका मिला। उन्होंने नेट पर बल्लेबाजी का कड़ा अभ्यास किया और इस दौरान कल्पना की कि मैच की परिस्थितियों में कुछ गेंदबाजों को कैसे खेलना है। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैच के दौरान 25 वर्षीय किशन को अपनी मेहनत का फल मिला। मुझे पता है कि गेंदबाजों के लिए चीजें आसान नहीं थी। खासकर इस तथ्य के साथ कि उनमें से ज्यादातर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में लंबे समय से बाद खेल रहे हैं। इसलिए श्रेय सभी को जाता है। जब आप ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेलते हैं तो यह दबाव वाला मुकाबला होता है। कुल मिलाकर मुझे लगता है कि हम बहुत अच्छे थे। आप जानते हैं कि रिंकू ने आईपीएल और फिर घरेलू मैचों में बहुत अच्छा प्रदर्शन किया है। और यहां आकर ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेलते हुए उसने जो शॉट खेले, उसमें उसने अपना धैर्य दिखाया। मुझे लगता है कि वह आज शानदार था। लक्ष्य का पीछा करते हुए दो विकेट जल्दी गंवाने पर किशन ने कहा, 'हमने दो विकेट जल्दी खो दिए और साझेदारी बहुत महत्वपूर्ण थी।

# सूर्यकमार यादव एक ही मैच में बन गए कप्तानों के कप्तान

**क्रिकेट**

## भारतीय टीम ने आस्ट्रेलिया को हाई स्कोरिंग मुकाबले में हरा दिया

**एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)**

विशाखापत्तनम। भारत ने 5 मैचों की सीरीज के पहले टी-20 मैच में ऑस्ट्रेलिया को 2 विकेट से हरा दिया। इस मैच में सूर्यकुमार यादव कप्तान के तौर पर डेब्यू मैच जीतने वाले और 80 रनों के साथ सबसे बड़ी पारी खेलने वाले कप्तान बन गए। उन्होंने केएल राहुल के 62 रनों की पारी को पीछे छोड़ा, जो विकेटकीपर ने अफगानिस्तान के खिलाफ बनाए थे। 209 रनों के लक्ष्य का फतह करने के बाद सूर्यकुमार यादव ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले टी20 अंतराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में अपनी आक्रामक पारी को 'बेखौफ' करार दिया।

मध्यक्रम के इस बल्लेबाज ने साथ ही कहा कि उन्हें कप्तानी में पदार्पण करते हुए देश को जीत दिलाने पर गर्व है। सूर्यकुमार ने 42 गेंद में 80 रन की पारी खेलने के अलावा ईशान किशन के साथ तीसरे विकेट के लिए 112 रन की साझेदारी भी की जिससे भारत ने ऑस्ट्रेलिया के 209 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए एक गेंद शेष रहते दो विकेट से जीत दर्ज की। सूर्यकुमार विश्व कप फाइनल में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ भारत की छह विकेट की हार के दौरान सिर्फ 18 रन बना पाए थे। चोट के कारण हार्दिक पंड्या की गैरमौजूदगी में टीम की अगुआई कर रहे सूर्यकुमार हालांकि अपने पसंदीदा प्रारूप में एक बार फिर शानदार लय में दिखे।

उन्होंने अपनी पारी में चार छक्के और नौ चौके मारे। एक शब्द में अपने खेल का जिक्र करने के लिए कहने पर सूर्यकुमार ने इसे 'बेखौफ' करार दिया। कप्तान ने इशान किशन की भी तारीफ की जिन्होंने 39 गेंद में 58 रन की पारी खेलकर उनका अच्छा साथ निभाया और जीत के लिए शानदार मंच तैयार किया। लक्ष्य का पीछा करते हुए 190.47 के स्ट्राइक रेट से रन बनाने वाले सूर्यकुमार ने कहा, 'मुझे लगता है कि उसने (किशन) मेरी काफी मदद की। मेरे निडर क्रिकेट खेलने के लिए उसका वहां टिके रहना और उसकी पारी बेहद महत्वपूर्ण थी।'

अंत में रिंकू सिंह ने 14 गेंद में नाबाद 22 रन की पारी खेलकर भारत की जीत सुनिश्चित की।

# भारत की रिकॉर्ड जीत के बीच कमजोर कड़ी बनकर उभरा युवा खिलाड़ी

**एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)**

नई दिल्ली। भारतीय टीम ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले टी20 इंटरनेशनल मैच में शानदार प्रदर्शन करते हुए रिकॉर्ड जीत दर्ज की। विशाखापट्टनम में खेले गए मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया ने पहले बल्लेबाजी की और 20 ओवर में 3 विकेट खोकर 208 रन बनाए। जवाब में भारत ने 19.5 ओवर में 8 विकेट खोकर लक्ष्य हासिल किया।

भारतीय टीम ने इस जीत के साथ टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट इतिहास में अपने सबसे रन चेज को अंजाम दिया। भले ही भारतीय टीम ने बहुत ही दमदार अंदाज में मैच अपने नाम किया, लेकिन उसके एक खिलाड़ी ने मैच में 4 बड़ी गलतियां की, जिसके कारण उसकी जगह पर खतरा बन गया है। हम यहां बात कर रहे हैं रवि बिश्नोई की, जिनके लिए गेंदबाजी और फील्डिंग में दिन अच्छा नहीं बीता। रवि बिश्नोई बहुत अच्छे फील्डर हैं, लेकिन ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले टी20 में वो बेरंग नजर आए। चलिए आपको बताते हैं कि रवि बिश्नोई ने मैच में ऐसी क्या गलतियां की थी कि अगले मैच के लिए उनकी जगह पर खतरा मंडराने लगा है।

**इंग्लिस को आउट करने का मौका गंवाया, स्मिथ का टपकाया कैच**

रवि बिश्नोई पारी का पांचवां ओवर कर रहे थे। लेग स्पिनर ने अपनी ही गेंद पर स्मिथ का कैच छोड़ दिया। रवि बिश्नोई ने ऑफ स्टंप पर फ्लैट गेंद डाली, जिसे स्मिथ ने गेंदबाज की दिशा में खेल दिया। बिश्नोई अपनी तरफ आई गेंद को पकड़ने में असमर्थ रहे। स्मिथ अर्धशतक जमाकर डगआउट लौटे। रवि बिश्नोई पारी का 9वां ओवर कर रहे थे। ओवर की तीसरी गेंद पर उन्होंने जोश इंग्लिस को रन आउट करने का अच्छा मौका गंवा दिया। बिश्नोई ने तेज गति की गेंद डाली, जिसे इंग्लिस ने शॉर्ट थर्डमैन की दिशा में भेजा। स्मिथ दूसरे छोर से तेजी से दौड़ पड़े।

शॉर्ट थर्ड मैन पर मौजूद खिलाड़ी ने गेंद कलेक्ट करके गेंदबाज की तरफ फेंकी। बिश्नोई गेंद नहीं पकड़ सके और इंग्लिस को क्रीज में पहुंचने का मौका मिल गया। अगर बिश्नोई गेंद नहीं छोड़ते तो निश्चित ही इंग्लिस रनआउट होते। जोश इंग्लिस ने आगे चलकर अपना पहला टी20 इंटरनेशनल शतक जमाया। बिश्नोई ने मैथ्यू शॉर्ट (13) को बोल्ड करके अपना शिकार बनाया।

## मोहम्मद शमी ने राहुल गांधी के बयान पर प्रतिक्रिया दी है

**एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)** नई दिल्ली। दुनिया के सबसे बड़े क्रिकेट स्टेडियम नरेंद्र मोदी स्टेडियम में भारतीय टीम को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ विश्व कप फाइनल में हार का सामना करना पड़ा। लगातार 10 मैच जीतकर फाइनल में पहुंची टीम इंडिया की बैटिंग और बॉलिंग दोनों लच रही। मैच में संयोग ही था कि इस मैच को देखने के लिए पीएम मोदी भी पहुंचे थे। उनके साथ ऑस्ट्रेलिया के उपप्रधानमंत्री रिचर्ड मार्लस भी मौजूद थे। भारत की इस हार पर उस वक्त राजनीति शुरू हो गई, जब विपक्ष कांग्रेस और राहुल गांधी ने पीएम नरेंद्र मोदी को पनौती कहना शुरू कर दिया। अब इस पर मोहम्मद शमी का रिएक्शन आया है। विश्व कप 2023 में सबसे अधिक 24 विकेट लेने वाले शमी अपने घर अमरोहा पहुंचे तो मीडिया ने घेर लिया। उनसे पूछा गया कि राहुल गांधी ने एक बयान में कहा कि स्टेडियम में एक पनौती थे, जिसकी वजह से भारत विश्व कप हारा है। मोहम्मद शमी ने कहा- देखिए, कॉन्ट्रोवर्सी वाले सवाल हमारे समझ तो आते नहीं, क्योंकि आप इस तरह के सवाल कॉन्ट्रोवर्सी में ले जाते हो।

## न्यूज डायरी :

### नवदीप सैनी ने अपनी लॉन्ग टाइम गर्लफ्रेंड स्वाति अस्थाना से की शादी

**एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)** नई दिल्ली। भारतीय तेज गेंदबाज नवदीप सैनी ने अपनी लॉन्ग टाइम गर्लफ्रेंड स्वाति अस्थाना से शादी कर ली है। उन्होंने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर शादी की तस्वीरें साझा कीं। नवदीप ने अपने प्रशंसकों के साथ खुशी शेयर करते हुए लिखा- आपके साथ, हर दिन प्यार का दिन है। आज, हमने हमेशा के लिए फैसला किया। हम अपने जीवन का एक नया अध्याय शुरू कर रहे हैं, इसलिए आप सभी का आशीर्वाद और प्यार चाहता हूं। नवदीप सैनी तेज गेंदबाज हैं। शादी के बाद फोटो सेशन के दौरान उनकी नई नवेली वाइफ ने बल्ला घुमाने के अंदाज में पोज दिए। उनके अच्छे दोस्त और क्रिकेटर राहुल तेवतिया, मोहसिन खान, उमरान मलिक और अर्शदीप सिंह ने भारतीय तेज गेंदबाज को शादी की बधाई दी। मोहम्मद सिराज ने भी बधाई संदेश पोस्ट किया जबकि इशान किशन ने पोस्ट को लाइक किया। स्वाति के इंस्टाग्राम अकाउंट के अनुसार, वह एक फैशन, ट्रैवल और लाइफस्टाइल ब्लॉगर हैं। उसका एक यूट्यूब चैनल भी है जहां वह अपने दैनिक या यात्रा व्लॉग पोस्ट करती हैं। स्वाति के इंस्टाग्राम बायो में लिखा है- ईश्वर द्वारा निर्मित, आपके द्वारा व्यक्त। उनके इंस्टाग्राम पेज पर 80,000 से ज्यादा फॉलोअर्स हैं।

### वर्ल्ड कप फाइनल में मिली हार के बाद भावुक हुए थे रोहित शर्मा

**एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)** नई दिल्ली। भारत की मेजबानी में वनडे वर्ल्ड कप को समाप्त हुए पांच दिन बीत गए हैं। फाइनल में ऑस्ट्रेलिया से मिली हार की टीस अभी भी भारतीय क्रिकेट फैंस के दिलों में उठ रही है। रोहित शर्मा की अगुवाई में भारत ने लगातार 10 मैच जीते थे, लेकिन फाइनल में भारत को 6 विकेट से हार का सामना करना पड़ा। इस हार का सदमा जहां क्रिकेट फैंस को हुआ तो वहीं, टीम के कप्तान रोहित शर्मा को भी लगा। मैच के बाद उन्हें भावुक होते हुए भी देखा गया था। ऐसे में रोहित शर्मा की बेटी समायरा का एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें वह रोहित के दुख के बारे में बताते हुए दिखाई दे रही हैं। यह वीडियो कब का है, इसकी पुष्टि नहीं हुई हो पाई है। वीडियो में समायरा कहती हुई दिखाई दे रही है कि थ्वो एक कमरे में हैं, वो लगभग सकारात्मक हैं और एक महीने के भीतर वो फिर से हंसेंगे। समायरा का यह वीडियो सोशल मीडिया पर खूब शेयर किया जा रहा है। हालांकि, इसकी पुष्टि नहीं हो पाई है कि यह वीडियो कब का है। फिलहाल सोशल मीडिया पर इसे खूब प्यार मिल रहा है। बता दें कि फाइनल में भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 240 रन बनाए थे। रोहित शर्मा ने तेज बल्लेबाजी करते हुए 47 रन बनाए। वहीं, कोहली और केएल राहुल ने अर्धशतकीय पारी खेली थी।

### माइकल वॉन ने वर्ल्डकप फाइनल का स्टार अंपायर रिचर्ड कैटलब्रा को करार दिया

**एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)** नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया ने अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में भारत को वर्ल्ड कप 2023 फाइनल में मात देकर छठी बार विश्व चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन ने कहा कि टूर्नामेंट के फाइनल में उनके लिए मैच के स्टार अंपायर रिचर्ड कैटलब्रा रहे। क्लब प्राइरी फायर पोडकास्ट में बातचीत करते हुए वॉन ने कहा कि ऑस्ट्रेलिया के ओपनर ट्रेविस हेड मैच के स्टार के प्रमुख दावेदार थे। उन्होंने साथ ही कहा कि ऑस्ट्रेलियाई कप्तान पैट कमिंस ने अपने नेतृत्व से उन्हें काफी प्रभावित किया। वॉन ने अपनी बात खत्म करते समय कैटलब्रा की तारीफ की और कहा कि अंपायर का नरेंद्र मोदी स्टेडियम पर मैच अच्छा रहा। मेरे ख्याल से आप सही हैं। ट्रेविस हेड निश्चित ही प्रमुख दावेदार थे। मेरे ख्याल से आप सही हैं, पैट कमिंस की कप्तानी मेरे लिए शानदार रही। बीच मैच के दौरान कमिंस ने गेंदबाजी में अच्छा परिवर्तन किया, जिससे केएल राहुल और विराट कोहली को क्रीज पर जमने का मौका नहीं मिला और फिर कंगारू कप्तान ने कोहली को अपना शिकार बना लिया। मेरे स्टार रिचर्ड कैटलब्रा हैं। उनके लिए मैच शानदार रहा। अगर उनकी ऊंगली उठ जाती तो मैच का नतीजा बदल सकता था। वॉन को अंपायर रिचर्ड कैटलब्रा का वो किस्सा याद आया जब उन्होंने जसप्रीत बुमराह की गेंदबाजी पर मार्नस लाबुशेन को एलबीडब्ल्यू आउट नहीं दिया था। भारतीय टीम ने डीआरएस लिया, लेकिन रीप्ले से पता चला कि अंपायर का फैसला ही सर्वमान्य है क्योंकि गेंद स्टंप पर लग रही थी, लेकिन लाइन पर नहीं थी।

पेज थ्री देहरादून

# हमारा दून

## संक्षिप्त समाचार

### जिला प्रशासन के प्रयासों से 5 वर्षीय बच्चे अरशद का परिवार के साथ पुनर्मिलन

**संवाददाता** देहरादून। 05 वर्षीय बालक जो 8 मई, 2023 को रूड़की में पाया गया था, वह बोलने या अपना नाम भी याद करने में असमर्थ था, को राजकीय शिशु निकेतन भेजा गया, जहां उसे उसे काउंसलर से परामर्श मिला और शिशु निकेतन के कर्मचारियों और परामर्शदाताओं की सहायता से, उसने धीरे–धीरे अन्य बच्चों के साथ घुलना मिलना और अपने बारे में जानकारी प्रदान करना शुरू कर दिया। जिला प्रशासन देहरादून के प्रयासों से अरशद ,जो पिछले छह महीने से राजकीय शिशु निकेतन में रह रहा था, आखिरकार आज अपने परिवार से मिल गया।

### डीएम ने किया स्मार्ट सिटी के कार्यों का स्थलीय निरीक्षण

**संवाददाता** देहरादून। जिलाधिकारी सोनिका ने शहर में चल रहे स्मार्ट सिटी के कार्यों का स्थलीय निरीक्षण किया। जिलाधिकारी ने ईसी रोड, आराघर, हरिद्वार रोड आदि स्थलों पर चल रहे निर्माण कार्यों का निरीक्षण करते हुए कार्यों को समयसीमा निर्धारित कर सम्बन्धित अधिकारियों को युद्धस्तर पर कार्य पूर्ण करने के आवश्यक दिशा–निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने शहर में गतिमान निर्माण, सौन्दर्यीकरण कार्यों को युद्धस्तर पर पूर्ण करने तथा सड़कों पर निर्माण सामग्री अव्यस्थित न इसका विशेष ध्यान रखने के निर्देश दिए। कहा कि शहर की सड़कें सुगम,सुरक्षित एवं सुन्दर हो निर्माण स्थलों पर सुरक्षा के दृष्टिगत विशेष ध्यान रखा जाए कि किसी अप्रिय घटना से बचा जा सके।

### विकसित भारत संकल्प यात्रा गांव पहुँचने पर किया स्वागत

**संवाददाता** देहरादून। विकसित भारत संकल्प यात्रा शुक्रवार को चकराता विकासखंड के दौधा एवं खारसी व दोपहर बाद धोरा पुड़िया लाखामण्डल पहुंची गांव पहुँचने पर ग्रामीणों ने यात्रा व अधिकारियों स्थानीय ग्रामीणों महिलाओं ने यात्रा का पारंपरिक रुप से ढोल,नगाड़ों के साथ स्वागत किया। जनजातीय क्षेत्र के ग्रामीणों को संकल्प यात्रा से सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की विस्तृत जानकारियां दी जा रही है तथा पात्र लाभार्थियों को योजनाओं से आच्छादित किया जा रहा है।

### भाषा विभाग के सचिव के नाम साइबर ठगी की कोशिश

**संवाददाता** देहरादून। उत्तराखंड सचिवालय के भाषा विभाग में तैनात सचिव के नाम ठगी की कोशिश की गई। उनकी तहरीर पर शहर कोतवाली पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। इंस्पेक्टर डालनवाला राजेश साह ने बताया कि भाषा विभाग के सचिव विनोद प्रसाद रतूड़ी ने तहरीर दी। कहा कि उनके एक मोबाइल नंबर पर वर्तमान में रिचार्ज नहीं है। आरोप है कि उस नंबर से सुमन प्रसाद रतूड़ी, एमपी रतूड़ी समेत कुछ लोगों को मैसेज किए गए।

# मुख्यमंत्री ने सिलक्यारा टनल रेस्क्यू ऑपरेशन का लिया जायजा

**जायजा**

■ टनल में फंसे श्रमिकों को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बेहद संवेदनशील

**संवाददाता**

देहरादून। उत्तरकाशी सिलक्यारा टनल में फंसे श्रमिकों के स्वास्थ्य को लेकर भी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी बेहद संवेदनशील हैं। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी रोजाना सिलक्यारा टनल में फंसे 41 श्रमिकों एवं उनके परिजनों के बारे में मुख्यमंत्री पुष्कर धामी को फोन कर अपडेट ले रहे हैं।

शुक्रवार को मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से बातचीत में प्रधानमंत्री ने बचाव कार्य में उत्पन्न होने वाली बाधा और रुकावट के बारे में विस्तार से जानकारी ली। इस दौरान मुख्यमंत्री ने उन्हें अवगत कराया कि न्यू ऑस्ट्रियन टनल मेथड से इस सुरंग का निर्माण किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि इस्पात से बनी वस्तुओं के ऑगर मशीन के सामने आने पर कार्य में बाधा उत्पन्न हो रही है। ऐसे में ऑगर मशीन को रोककर और फिर उसे बाहर निकालकर सभी अवरोधों को श्रमिकों द्वारा दूर किया जा रहा है, जिसके कारण इस प्रक्रिया में समय लग रहा है।

मुख्यमंत्री को इस दौरान प्रधानमंत्री ने विशेष निर्देश दिए कि जब श्रमिक टनल से बाहर निकलेंगे तो उनके स्वास्थ्य परीक्षण और चिकित्सकीय देखभाल पर भी विशेष ध्यान दिया जाए। प्रधानमंत्री ने इस दौरान सुरंग के अंदर फँसे श्रमिकों की स्थिति और उनको दी जाने वाली खाद्य और दैनिक दिनचर्या की वस्तुओं के बारे में जानकारी लेने के साथ ही राहत और बचाव कार्य में लगे श्रमिकों की स्थिति और उनके लिए किए जा रहे सुरक्षा के उपाय के बारे में पूछा और निर्देश दिए कि इसमें किसी तरह की कोई कमी न रहे। उन्होंने बचाव कार्य की प्रगति और किए जा रहे कार्यों के साथ ही विभिन्न एजेंसियों के बीच समन्वय और यदि किसी अन्य सहयोग की जरूरत है तो उस पर जानकारी ली। साथ ही श्रमिकों के परिजनों के बारे में जानकारी भी ली।

मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री को जानकारी दी कि सिलक्यारा सुरंग में चल रहे राहत एवं बचाव कार्यों की जमीनी स्तर पर मॉनिटरिंग करने के साथ ही उनके द्वारा मातली उत्तरकाशी में ही अस्थायी मुख्यमंत्री कैंप कार्यालय स्थापित किया है ताकि बेहतर ढंग से पूरे ऑपरेशन की मॉनिटरिंग हो सके।

मुख्यमंत्री ने जानकारी दी कि 6 इंच व्यास के पाइप लाइन मलवे के सफलतापूर्वक बिछाए जाने के बाद वैकल्पिक लाइफ लाइन बनाई गई है। जिसके माध्यम से टनल में फंसे श्रमिकों तक ताजा पका भोजन, फल, ड्राई फ्रूट्स, दूध, जूस के साथ ही डिसपोजेबल प्लेट्स, ब्रश, तौलिया, छोटे कपड़े, टूथ पेस्ट, साबुन, आदि दैनिक आवश्कता की सामग्री बोतलों में पैक कर भेजी जा रही है। जिससे श्रमिकों के भोजन एवं पोषण की समस्या को लेकर अब कोई चिंता नहीं है। इसी पाइप लाइन के जरिए एसडीआरएफ द्वारा स्थापित कम्युनिकेशन सेटअप के माध्यम से श्रमिकों से नियमित संवाद किया जा रहा है। इसी माध्यम से श्रमिकों और उनके परिवार जनों को भी बातचीत कराई जा रही है। मुख्यमंत्री ने बताया कि उन्होंने स्वयं भी इसी माध्यम से श्रमिकों का हाल–चाल जाना है।

मुख्यमंत्री ने बताया कि राहत और बचाव कार्यों में लगे राहत एवं बचाव कार्य में जुटे श्रमिक पूरे मनोयोग एवं अथक परिश्रम से जुटे हुए हैं। इन श्रमिकों की सुरक्षा पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है। सुरक्षा से जुड़ी अन्य विशेष हिदयतों पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

### हॉस्पिटल या घर भेजने की व्यवस्था के दिये निर्देश

मुख्यमंत्री ने बताया कि श्रमिकों एवं उनके परिजनों का मनोबल बनाए रखने पर भी ध्यान दिया जा रहा है। सिलक्यारा में स्थापित अस्थाई अस्पताल में तैनात डॉक्टर्स के द्वारा श्रमिकों के स्वास्थ्य के निरंतर निगरानी की जा रही है। एम्बुलेंस से लेकर नजदीकी अस्पताल में 41 विशेष बेड श्रमिकों हेतु तैयार किये गए हैं। मनोचिकित्सकों के द्वारा भी नियमित रूप से टनल में फंसे श्रमिकों की काउंसलिंग की जा रही है।

# राज्य में फिल्म उद्योग को किया जा रहा है प्रोत्साहित

**फिल्म महोत्सव**

■राज्य में फिल्म शूटिंग व फिल्म उद्योग में निवेश विषय पर दिया गया प्रस्तुतिकरण

**संवाददाता**

देहरादून। गोवा में चल रहे 54वें अंतरराष्ट्रीय भारतीय फिल्म महोत्सव 2023 में शुक्रवार को नॉलेज सीरीज के तहत उत्तराखंड राज्य में फिल्म शूटिंग व फिल्म उद्योग में निवेश विषय पर प्रस्तुतिकरण दिया गया। प्रस्तुतिकरण उत्तराखंड फिल्म विकास परिषद के नोडल अधिकारी डॉ नितिन उपाध्याय द्वारा दिया गया।

डॉ उपाध्याय ने बताया कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के निर्देशन में राज्य में फिल्म उद्योग को प्रोत्साहित किया जा रहा है। राज्य में फिल्म उद्योग के लिए 360 डिग्री ईको सिस्टम बनाने के लिए काम किया जा रहा है , जिसमे थ्री टैलेंट, ट्रेनिंग और टेक्नोलॉजी को प्रोत्साहित किया जा रहा है। इसी उद्देश्य से राज्य की नई फिल्म नीति प्रस्तावित की गई है। नई प्रस्तावित फिल्म नीति में फिल्म उद्योग क्षेत्र में निवेश के लिए अवसर खोले जा रहे हैं। इसमें फिल्म सिटी की स्थापना, फिल्म संस्थानों की स्थापना, नये शूटिंग स्टूडियोज की स्थापना, नये प्रोडक्शन हाउस की स्थापना पर विशेष अनुदान व सुविधाएँ दी जाएंगी।

प्रस्तुतिकरण में डॉ उपाध्याय ने बताया कि मुख्यमंत्री के निर्देशन में आगामी दिसम्बर माह में ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट 2023 का आयोजन किया जा रहा है, जिसमे विभिन्न क्षेत्रों में निवेश हेतु निवेशकों को आमंत्रित किया जा रहा है। उत्तराखंड राज्य में फिल्म निर्माताओं व निर्देशकों के लिए फिल्म निर्माण व फिल्म उद्योग की अपार सम्भावना है। डॉ उपाध्याय ने उपस्थित फिल्म निर्माताओं को उद्योग विभाग की सर्विस सैक्टर नीति के बारे में बताया, जिसके तहत फिल्म और मीडिया क्षेत्र में निवेश पर 25 प्रतिशत तक की सब्सिडी दिए जाने का प्राविधान है।

उन्होंने बताया कि माननीय मुख्यमंत्री जी के निर्देश पर हिंदी फिल्मों के लिए दी जाने वाली सब्सिडी को बड़ी मात्रा में बढ़ाया जा रहा है।

### समय सीमा को लेकर अनुमान न लगाएं

**संवाददाता** देहरादून। सिलक्यारा टनल रेस्क्यू ऑपरेशन के संबंध में शुक्रवार को अस्थाई मीडिया सेंटर, सिलक्यारा में प्रेस ब्रीफिंग की गई। इस दौरान अपर सचिव एवं एम.डी महमूद अहमद ने बताया कि ऑगर मशीन से 45 मीटर के बाद ड्रिलिंग शुरू करते हुए कुल 1.8 तक ड्रिलिंग पूरी कर ली गई थी। इस प्रकार कुल 46.8 से आगे की ड्रिलिंग के बाद धातु के टुकड़े मशीन में फसने से ड्रिलिंग रोक दी गई थी। तत्पश्चात श्रमिकों द्वारा पाइप के मुहाने पर फंसे धातु के टुकड़ों को पाइप के अंदर रेंगकर काट दिया गया है। गत दिवस पुनः ऑगर मशीन स्थापित कर ड्रिलिंग शुरु करते हुए 1.2 मीटर अतिरिक्त ड्रिलिंग की गई थी। इस प्रकार कुल 48 मीटर तक ड्रिलिंग की थी। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने मीडिया को सलाह दी कि बचाव अभियान पूरा होने की समयसीमा के बारे में अनुमान न लगाएं। इससे गलत धारणा बनती है।

In a Digital World Why To wait for a Howker

Visit Us at https://www.page3news.co.

Supporting Devices
All Apple Touch Phones & Tablets
All Android Touch Phones & Tablets
All Window & BlackBerry Touch Phones 10+

Scan This Code

Read News
Watch News Channel

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक प्रदीप चौधरी
द्वारा
एल.के प्रिंटर्स,74/9,आराघर,देहरादून से मुद्रित
व जाखन जोहड़ी रोड, पी.ओ–राजपुर, देहरादून से प्रकाशित।
संपादक: प्रदीप चौधरी

सिटी कार्यालय:
शिवम् मार्केट, द्वितीय तल
दर्शनलाल चौक, देहरादून।

(M) 9319700701
pagethreedaily@gmail.com
आर.एन.आई.नं0
UTTHIN\2005\15735
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र देहरादून ही मान्य होगा।